www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 ट्रंप से अब और सावधान हो जाए भारत, इजरायल-ईरान संघर्ष में अमेरिका की एंट्री चिंताजनक

युद्धविराम के बाद पहली बार बोले खामेनेई, 'ईरान ने अमेरिका के मुँह पर तमाचा मारा 06

वर्ष :17 | अंक :86 | प्रयागराज , शुक्रवार , 27 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

मुठभेड़ में जैश का एक आतंकी ढेर, 3 आतंकियों की तलाश जारी

भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकवादी मारा गया। एक्स पर एक पोस्ट में भारतीय सेना की 16 कोर ने कहा कि उसने ऑपरेशन बिहाली के तहत गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ में जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकवादी को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि अभियान अभी भी जारी है। सेना ने एक्स पर कहा, ₹ऑपरेशन बिहाली अपडेट बसंतगढ़ में भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा जारी संयुक्त अभियान में अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया गया है। ऑपरेशन जारी है।₹ जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन बिहाली के नाम से एक संयुक्त अभियान शुरू किया है, जो सुबह से ही जारी है। अधिकारियों ने बताया कि जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों के खिलाफ खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन बिहाली शुरू किया गया था, जिनकी पिछले एक साल से तलाश की जा रही थी।

मंडी में भारी बारिश, ब्यास नदी का बढ़ा जलस्तर

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में ब्यास नदी का जलस्तर राज्य में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गुरुवार को बढ़ गया। साइट से ड्रोन द्वारा ली गई तस्वीरों में सप्ताहांत में नदी का जलस्तर और तेज बहाव देखा गया। मनुनी नदी के पास अचानक आई बाढ़ में दो लोगों की मौत हो गई और छह लोग लापता हैं। राहत और बचाव कार्यों के लिए एनडीआरएफ कर्मियों की एक टीम धर्मशाला पहुंच गई है। कुल्लू में सैंज घाटी के सिउंड में बुधवार को बादल फटने से आई अचानक आई बाढ़ में एक निजी बिजली परियोजना से संबंधित अस्थायी शेड और एक आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।

हालांकि, पिछले 24 घंटों में बारिश कम होने से नदी में पानी का बहाव कम हुआ है, जिससे पंडोह बांध में पानी का स्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों और प्रशासन को राहत मिली है। कल भारी बारिश और बढ़ते जलस्तर के बाद राज्य के कांगड़ा जिले में मनुनी नदी के पास दो शव बरामद किए गए। कांगड़ा के डिप्टी कमिश्नर हेमराज बैरवा ने इस घटना की पुष्टि की और कहा कि अचानक आए पानी के तेज बहाव में बह गए लोगों का पता लगाने के लिए बचाव अभियान जारी है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि हमने दो शव बरामद किए हैं।

एक्सिओम-4 मिशन : भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में रचा इतिहास

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचा शुभांशु का यान, देशवासियों को किया नमस्कार

एक्सिओम-4 मिशन

▸▸डॉकिंग से पहले, ड्रैगन अंतरिक्ष यान को आईएसएस के साथ अपनी कक्षा को सावधानीपूर्वक सिंक्रोनाइज करना था, जिससे स्थिति और गति दोनों का मिलान हो सके। इस जटिल प्रक्रिया को रेंडेजवस के रूप में जाना जाता है

एजेंसी

नयी दिल्ली। फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने के अट्ठाईस घंटे बाद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इतिहास रच दिया। वे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुँचने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए, क्योंकि गुरुवार को मिशन सफलतापूर्वक ऑर्बिटिंग प्रयोगशाला से जुड़ गया। यह मील का पत्थर भारत के लिए मानव अंतरिक्ष यान में विजयी वापसी का प्रतीक है, जो 1984 में राकेश शर्मा के अग्रणी मिशन के 41 साल बाद आया है। डॉकिंग से पहले, ड्रैगन अंतरिक्ष यान को आईएसएस के साथ अपनी कक्षा को सावधानीपूर्वक सिंक्रोनाइज करना था, जिससे स्थिति और गति दोनों का मिलान हो सके। इस जटिल प्रक्रिया को रेंडेजवस के रूप में जाना जाता है, इसके बाद कैप्सूल को स्टेशन के साथ संरेखित करने और कनेक्ट करने के लिए अत्यधिक सटीक युद्धाभ्यास का क्रम होता है। सबसे पहले, एक 'सॉफ्ट कैप्चर' की पुष्टि की गई, जो एक लचीले प्रारंभिक संपर्क का संकेत देता है जिसने अंतरिक्ष यान की गतिज ऊर्जा को सुरक्षित रूप से अवशोषित किया। कुछ ही क्षणों बाद, नासा मिशन कंट्रोल ने एक 'हार्ड कैप्चर' की पुष्टि की, जिससे कैप्सूल आईएसएस के हार्मनी मॉड्यूल पर सुरक्षित रूप से लॉक हो गया जैसे ही शुभांशु शुक्ला ने सफलतापूर्वक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कदम रखा, उनके गौरवान्वित परिवार ने पृथ्वी से इस महत्वपूर्ण क्षण को देखा। अपने बेटे को अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुँचने वाला पहला भारतीय बनते देख, परिवार को आज बाद में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने की उम्मीद है।

सुबह शुभांशु ने स्पेसक्राफ्ट से लाइव किया था

नमस्ते फ्रॉम स्पेस! मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यहां आकर बहुत उत्साहित हूं। सच कहूं तो, जब मैं कल लॉन्चपैड पर कैप्सूल में बैठा था। 30 दिन के क्वारंटाइन के बाद, मैं बस यही चाहता था कि अब चल पड़ें। लेकिन जब यात्रा शुरू हुई, तो ऐसा लगा जैसे आपको सीट में पीछे धकेला जा रहा हो। यह एक अद्भुत राइड थी.. और फिर अचानक सब कुछ शांत हो गया। आपने बेल्ट खोली और आप वैक्यूम की शांति में तैर रहे थे। मैं हर उस व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो इस यात्रा का हिस्सा रहा है। मैं समझता हूं कि यह कोई व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह आप सभी की सामूहिक उपलब्धि है, जो इस यात्रा का हिस्सा रहे हैं। मैं आप सभी को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। परिवार और दोस्तों को भी.. आपका समर्थन बहुत मायने रखता है।

हर दिन की प्रार्थना रंग लाई, बेटे को आईएसएस से जुड़ते देख मां आशा शुक्ला की आँखों में छलके खुशी के आंसू

शुभांशु की मां, आशा शुक्ला, जो अपने बेटे की सुरक्षा के लिए लगातार प्रार्थना कर रही थीं, ने कहा, 'डॉकिंग सफलतापूर्वक हुई। यह बहुत गर्व की बात है। यह सभी के लिए अच्छा है। हम बहुत खुश हैं, हमने हर दिन प्रार्थना की। यह बहुत अच्छा लग रहा है। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वे अपना कर्तव्य अच्छी तरह से निभाएं और सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लौटें।' भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और उनके तीन साथी आज, गुरुवार को सफलतापूर्वक अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गए हैं। उनका अंतरिक्ष यान 'ड्रैगन' भारतीय समयानुसार दोपहर 4:01 बजे उत्तरी अटलांटिक महासागर के ऊपर से गुजरते हुए अंतरिक्ष प्रयोगशाला से जुड़ा।

अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर 15 किमी लंबा जाम

सूरत में गर्भवती का रेस्क्यू, राजस्थान में बैराज पर युवक एक्सरसाइज करते दिखे

कुल्लू में बादल फटने से प्रोजेक्ट को नुकसान

हिमाचल में कुल्लू के जीवा नाला में बादल फटने से सैंज घाटी में एनएचपीसी के प्रोजेक्ट को नुकसान हुआ है। हिमाचल प्रदेश में बुधवार को कुल्लू और कांगड़ा में 5 जगह बादल फटने से नदी-नालों में बाढ़ आ गई थी। इसमें 9 से ज्यादा लोग लापता हो गए थे।

एजेंसी

मानसून देश के ज्यादातर हिस्सों को कवर कर चुका है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हैं। अहमदाबाद में बारिश के पानी के बहाव में आकर एक बाइक सवार ड्रेनेज लाइन में फंस गया। 9 घंटे बाद उसका शव बरामद किया गया।सूरत का गीतानगर इलाका 3 से 4 फीट पानी में डूबा हुआ है। यहां तबीयत बिगड़ने के बाद एक गर्भवती महिला को फायर ब्रिगेड टीम ने रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया।वहीं वडोदरा में भारी बारिश के चलते अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर 15 किमी लंबा जाम लग गया। उधर हिमाचल प्रदेश में कुल्लू के होरनगढ़ गांव में बादल फटने के एक दिन बाद राहत कार्य जारी है। यहां कई गाड़ियां मलबे में दब गईं। केदारनाथ रूट पर 1269 टूरिस्ट का रेस्क्यू के दारनाथ रूट में भारी बारिश से भूस्खलन हुआ। सोनप्रयाग-मुनकटिया मार्ग बंद हो गया। यहां कई यात्री फंसे हैं। ठऊफऋ, रऊफऋ और ऊऊफऋ की टीम ने 1269 टूरिस्ट को रेस्क्यू किया। मार्ग को ठीक करने का काम जारी है।

सूरत में बाढ़ में गर्भवती महिला का रेस्क्यू

सूरत में भी लगातार तीसरे दिन गुरुवार को बाढ़ के हालात हैं। गीतानगर इलाका 3 से 4 फीट पानी में डूबा हुआ है। यहां तबीयत बिगड़ने के बाद एक गर्भवती महिला को फायर ब्रिगेड टीम ने रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया।

नवसारी में बाढ़ में डूबा प्राइमरी स्कूल

गुजरात के नवसारी में बुधवार को रात भर हुई बारिश के कारण चिखली तालुका के अमधरा गांव में बाढ़ आ गई। जिसके चलते प्राइमरी स्कूल में पानी भर गया। स्कूल का फर्नीचर और ब्लैकबोर्ड पानी में डूब गया।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में कार मलबे में फंसी

जम्मू-कश्मीर के डोडा भद्रवाह रास्ते पर प्रानू के पास अचानक बाढ़ आने से वाहन फंस गए। एक कार और स्कूटी मलबे में दब गई। वहीं जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर तक जाने वाला नया मार्ग भी बारिश के कारण हुए लैंडस्लाइड से बंद हो गया।गुजरात में नवसारी के चिखली में तेज बारिश के चलते कावेरी नदी उफान पर है। तट पर स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर पानी में आधा डूब गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन में कहा, आतंकवाद और शांति-समृद्धि साथ-साथ नहीं चल सकते

एससीओ में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से नहीं मिले राजनाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के कि गदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए एक ऐसे दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, जिससे भारत का रुख कमजोर पड़ जाता। रक्षा मंत्री ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर भी भारत का रुख मजबूती से रखा, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई थी।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद के दोषियों, वित्तपोषकों व प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और इससे निपटने में दोहरा मापदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए।

> रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद के दोषियों, वित्तपोषकों व प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और इससे निपटने में दोहरा मापदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय बोला- एक खास देश को भारत की बात मंजूर नहीं थी

दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की दो दिन चली बैठक में सभी देश एक साथ मिलकर साझा बयान पर सहमत नहीं हो सके, इसलिए उस दस्तावेज को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका।

बदरीनाथ जा रही मिनी बस अलकनंदा में गिरी, दो की मौत और दस लापता

एजेंसी

उत्तराखंड में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग और गौचर के बीच घोलतीर गांव के पास बृहस्पतिवार तड़के तीर्थयात्रियों से भरी एक मिनी बस दुर्घटनाग्रस्त होकर अलकनंदा नदी में जा गिरी जिसमें दो व्यक्तियों की मौत हो गई तथा 10 अन्य लापता हैं।चारों धाम के कपाट खुल चुके हैं और लोगों ने अपनी यात्राएं भी जारी कर दी है।

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र : अमित शाह

अमित शाह बोले- भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा है

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि किसी भाषा का विरोध नहीं है, किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन आग्रह अपनी भाषा का महिमामंडन करने का होना चाहिए, आग्रह अपनी भाषा बोलने का होना चाहिए, आग्रह अपनी भाषा में सोचने का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना चाहिए। और जब तक व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेगा, अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेगा, तब तक हम गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकते। अमित शाह ने आगे कहा कि जहां तक देश का सवाल है, भाषा सिर्फ.संवाद का माध्यम नहीं है, यह राष्ट्र की आत्मा है। भाषाओं को जीवित रखना और उन्हें समृद्ध बनाना जरूरी है। आने वाले दिनों में हमें सभी भारतीय भाषाओं और खास तौर पर राजभाषा के लिए ये सारे प्रयास करने चाहिए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मैं पूरे दिल से मानता हूं कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की दुश्मन नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है, और हिंदी और भारतीय भाषाएं मिलकर ही हमारे स्वाभिमान कार्यक्रम को उसके अंतिम लक्ष्य तक पहुंचा सकती हैं।

> अमित शाह ने आगे कहा कि जहां तक देश का सवाल है, भाषा सिर्फ.संवाद का माध्यम नहीं है, यह राष्ट्र की आत्मा है। भाषाओं को जीवित रखना और उन्हें समृद्ध बनाना जरूरी है। आने वाले दिनों में हमें सभी भारतीय भाषाओं और खास तौर पर राजभाषा के लिए ये सारे प्रयास करने चाहिए।

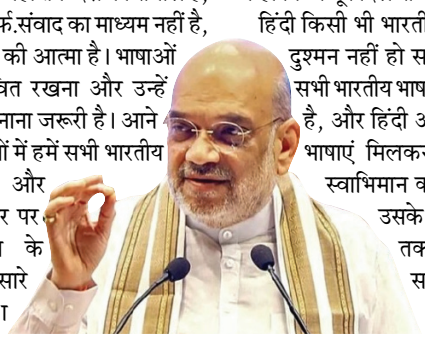

प्लेन क्रैश का सच अब आएगा सामने, ब्लैक बॉक्स डेटा सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया

> विमानन चिकित्सा विशेषज्ञ, एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी और विमान के निर्माण की स्थिति से नामित एजेंसी, अमेरिका स्थित राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल हैं।

एजेंसी

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि एयर इंडिया की फ्लाइट 171 के ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिए गए हैं और वर्तमान में दिल्ली में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो प्रयोगशाला में उनका विश्लेषण किया जा रहा है। 13 जून की दुर्घटना के बाद, अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुरूप अपने महानिदेशक के नेतृत्व में एक बहु-विषयक जांच दल का गठन किया। इस दल में एक विमानन चिकित्सा विशेषज्ञ, एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी और विमान के निर्माण की स्थिति से नामित एजेंसी, अमेरिका स्थित राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल हैं।

दो चरणों में ब्लैक बॉक्स बरामद किए गए

कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों ही दुर्घटना स्थल पर पाए गए। पहला 13 जून को छत पर पाया गया, जबकि दूसरा 16 जून को मलबे से बरामद किया गया।

वोटर लिस्ट संशोधन को लेकर चुनाव आयोग पर भड़कीं ममता

पूछा- क्या यह बैकडोर एनआरसी है?

मुख्यमंत्री ने कहा कि दरअसल, केंद्र सरकार चुनाव आयोग के माध्यम से बिहार को ढाल बनाकर पश्चिम बंगाल को निशाना बना रही है। बिहार में पहले से ही भाजपा गठबंधन की सरकार है।

एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा जारी किए गए नए मतदाता सूची संशोधन दिशा-निर्देशों पर सवाल उठाए। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि ये नए दिशा-निर्देश राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के कार्यान्वयन की दिशा में एक और कदम हो सकते हैं। उन्होंने आगे दावा किया कि हालांकि ये नए दिशा-निर्देश बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जारी किए गए हैं।

तंज | प्रशांत किशोर ने फिर कसा तंज

अपने पिता के नाम के बिना तेजस्वी की कोई पहचान नहीं होगी...

एजेंसी

नयी दिल्ली। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की आलोचना की, उनकी राजनीतिक साख पर सवाल उठाया और दावा किया कि वह अपने पिता लालू प्रसाद यादव की बदौलत इस पद पर हैं। एएनआई के साथ एक विशेष साक्षात्कार में किशोर ने कहा कि तेजस्वी यादव के पास स्वतंत्र राजनीतिक पहचान और विश्वसनीयता का अभाव है। उन्होंने आगे जोर दिया कि अपने पिता के नाम के बिना तेजस्वी की कोई महत्वपूर्ण पहचान नहीं होगी। तेजस्वी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने पूछा, ₹तेजस्वी यादव लालू यादव के बेटे हैं। तेजस्वी जो कुछ भी हैं, वह लालू यादव की वजह से हैं।

अगर लालू यादव का नाम नहीं है, तो आपके लिए उनकी पहचान क्या है?₹ किशोर ने तर्क दिया कि तेजस्वी की स्थिति केवल उनके वंश की वजह से है, न कि उनकी उपलब्धियों या योग्यता की वजह से। उन्होंने बताया कि यादव समाज में कई ऐसे युवा नेता हैं जिनमें तेजस्वी से ज्यादा क्षमता है। उन्होंने कहा कि आपने कहा कि तेजस्वी यादव युवा नेता हैं। बहुत सारे युवा नेता हैं। यादव समाज में उनसे कहीं ज्यादा युवा नेता हैं। लेकिन जिस बुनियाद पर वे अब हैं, वह इसलिए नहीं है कि उन्होंने कुछ हासिल किया है। वे सिर्फ.इसलिए इस पद पर हैं क्योंकि वे लालू यादव के बेटे हैं। किशोर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की लोकप्रियता पिछले कुछ सालों में काफी कम हुई है। उन्होंने 1995 में सिर्फ.एक बार अपने दम पर चुनाव जीता था और उसके बाद से उनके सांसदों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। किशोर ने एएनआई से कहा, ₹लालू यादव ने 1995 में सिर्फ. एक बार अपने दम पर चुनाव जीता था। और वह तब जीते जब उन्हें गरीबों के नेता के तौर पर देखा गया। उसके बाद जब वह पिछड़ों के नेता बन गए तो उनके सांसदों की संख्या घटकर 20-25 रह गई। जब वह यादवों के नेता बन गए तो यह घटकर 10-12 रह गई। अब वह आरजेडी यादवों के नेता हैं तो उनकी संख्या 2-4-5 रह गई है।₹ किशोर, जो अपनी महत्वाकांक्षी यात्रा के तहत बिहार के अंदरूनी इलाकों में लगातार घूम रहे हैं, ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को चुनौती दी और बिहार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया और उन पर वास्तविक राजनीतिक जुड़ाव के बजाय दिखावटी इशारे करने का आरोप लगाया।

> किशोर ने कहा कि तेजस्वी यादव के पास स्वतंत्र राजनीतिक पहचान और विश्वसनीयता का अभाव है। उन्होंने आगे जोर दिया कि अपने पिता के नाम के बिना तेजस्वी की कोई महत्वपूर्ण पहचान नहीं होगी।

उड़ने की अनुमति मत मांगो... शशि थरूर के ट्वीट पर अब कांग्रेस सांसद ने ऐसे दिया जवाब

> कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा थरूर पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करने के एक दिन बाद, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट है, लेकिन मुख्य विपक्षी दल के लिए देश सबसे पहले हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर और पार्टी के शीर्ष नेताओं के बीच मतभेद तेजी से स्पष्ट होते जा रहे हैं, जिसमें सोशल मीडिया पर गुप्त पोस्ट और तीखे जवाबी हमले के माध्यम से तीखी बहस हो रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा थरूर पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करने के एक दिन बाद, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट है, लेकिन मुख्य विपक्षी दल के लिए देश सबसे पहले हैं। उड़ते हुए एक पक्षी की तस्वीर साझा करते हुए, थरूर ने लिखा, उड़ने की अनुमति मत मांगो। पंख आपके हैं, और आकाश किसी का नहीं है। इस पोस्ट को व्यापक रूप से उनकी अपनी पार्टी के भीतर आलोचना के जवाब के रूप में देखा गया। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने तुरंत ही पक्षियों से जुड़ी अपनी चेतावनी के साथ जवाबी हमला किया। उन्होंने लिखा, उड़ने के लिए अनुमति मत मांगो। पक्षियों को उड़ने के लिए अनुमति की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन आज, एक स्वतंत्र पक्षी को भी आसमान देखना पड़ता है - बाज, गिद्ध और चील हमेशा शिकार करते रहते हैं।

सम्पादकीय

उच्च शिक्षा में कुछ अच्छा होता हुआ, शिक्षा संस्थानों पर भी ध्यान देना चाहिए

क्यूएस या अन्य किसी भी वैश्विक रेटिंग एजेंसी को भी यह समझना होगा कि देश विशेष की परिस्थितियां भिन्न-भिन्न होती हैं। भारत जैसे देश की तुलना पश्चिमी देशों से नहीं हो सकती। भारत में इतनी विविधता है कि हमारे विश्वविद्यालय एवं अन्य शिक्षा संस्थान विविधता के उत्सव-स्थल हैं। निःसंदेह यह उपलब्धि प्रेरणास्पद है, परंतु हमें यह भी स्वीकारना होगा कि यह सफलता अभी मुख्यतः आइआइटी, कतिपय केंद्रीय विश्वविद्यालयों और चुनिंदा संस्थानों तक ही सीमित है ईरान-इजरायल युद्ध के बीच शिक्षा क्षेत्र में भारत की एक उपलब्धि दबकर सी रह गई। क्यूएस (क्वाक्वेरेली साइमंड्स) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इस वर्ष इसमें 106 देशों के कुल 1,501 शिक्षा संस्थानों को स्थान मिला, जिनमें 112 संस्थान पहली बार सम्मिलित हुए हैं। भारत के 54 संस्थानों को इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला, जो अब तक का रिकार्ड है। यह संख्या भारत को न केवल जर्मनी (48) और जापान (47) जैसे देशों से आगे ले जाती है, बल्कि इसे अमेरिका, ब्रिटेन और चीन के बाद चौथा सर्वाधिक प्रतिनिधित्व वाला देश भी बना देती है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में भारत के केवल 11 संस्थान इस सूची में थे। यानी पिछले एक दशक में भारत ने लगभग पांच गुना वृद्धि दर्ज की है। इस वृद्धि में न केवल कई आइआइटी, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, दिल्ली विश्वविद्यालय, अन्ना विश्वविद्यालय, जेएनयू जैसे पारंपरिक एवं सरकारी संस्थानों-विश्वविद्यालयों ने योगदान दिया है, बल्कि कई निजी विश्वविद्यालयों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। आठ भारतीय शिक्षा संस्थान पहली बार इस सूची में शामिल हुए हैं। यह भारतीय उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़ती भागीदारी का एक संकेत भी है। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह वक्तव्य प्रासंगिक प्रतीत होता है, ह्यक्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए शानदार खबर लेकर आई है। हमारी सरकार भारत के युवाओं के लाभ के लिए शोध और नवाचार के इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग उच्च शिक्षा की दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित और व्यापक रूप से संदर्भित रैंकिंग्स में से एक मानी जाती है। इसके अंतर्गत शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन नौ संकेतकों के आधार पर किया जाता है, जिनमें शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, फैकल्टी-छात्र अनुपात, छात्र अनुपात, रोजगार परिणाम, अंतरराष्ट्रीय शोध नेटवर्क जैसे मानक शामिल हैं। उच्च शिक्षा में हुए हालिया सुधारों के पीछे कई महत्वपूर्ण कदम रहे हैं।

आज का विचार

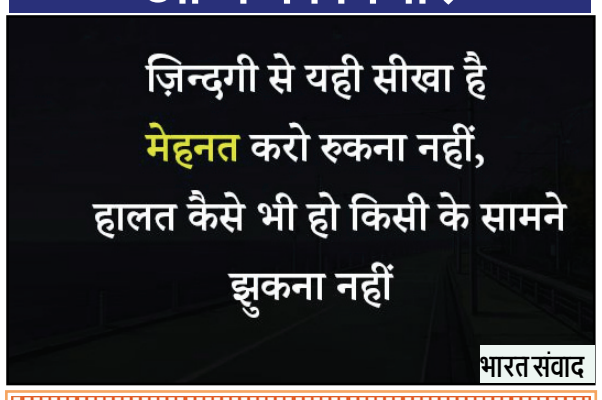

ट्रंप से अब और सावधान हो जाए भारत, इजरायल-ईरान संघर्ष में अमेरिका की एंट्री चिंताजनक

इन परिस्थितियों में रूसी विदेश मंत्री द्वारा प्रस्तावित रूस, चीन और भारत का त्रिकोण अब प्रासंगिक लगता है। चीन भी अब इसे लेकर सजग हो रहा है। भारत और चीन के रिश्तों में बर्फ पिघलती देखी जा सकती है। हाल में शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात के बाद आए चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में उल्लेख हुआ कि दोनों देश एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी न होकर साझेदार हैं।

पा कुछ दिनों के भीषण युद्ध के बाद इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष विराम हो गया। कहना मुश्किल है कि यह संघर्ष विराम कितने समय तक टिकेगा? ईरान पर हमला बोलते समय इजरायल ने यह कहा था कि उसका उद्देश्य ईरानी परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करना है। उसे कुछ आरंभिक सफलता भी हासिल हुई। उसके अचानक हमले में ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु विज्ञानी मारे गए। शुरूआती सफलता के बीच इजरायल ने कहना शुरू कर दिया कि हमले के पीछे उसके उद्देश्य बड़े हैं और एक उद्देश्य ईरान में सत्ता परिवर्तन का भी है। ईरान की सत्ता उन कट्टर मजहबी नेताओं के कब्जे में है, जो हमास-हिजबुल्ला का साथ देते हैं। इजरायल के समर्थन में अमेरिका के कई ताकतवर नवरूढ़िवादी सांसदों की आवाज भी उठने लगी। शुरूआत में अमेरिका इस लड़ाई में कूदने से हिचक रहा था, पर ईरान की जवाबी कार्रवाई से घिरे इजरायल की मदद के लिए आखिरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी वायु सेना को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के आदेश देने ही पड़े। इसके बावजूद ईरानी परमाणु कार्यक्रम के पूरी तरह ध्वस्त होने को लेकर संदेह है। वैसे भी ईरान की मिसाइल क्षमता आशा से कहीं अधिक निकली। युद्ध लंबा खिंचने पर इजराइल में कहीं अधिक बबार्दी हो सकती थी। इसी कारण ट्रंप ने आनन-फानन युद्ध विराम का एलान भी कर दिया और वह भी अपने व्यापक लक्ष्यों की पूर्ति के बिना, क्योंकि न तो ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट हो पाया और न ही वहां सत्ता परिवर्तन के कोई आसार दिख रहे। हालांकि इसका यह अर्थ नहीं कि इजरायल और ट्रंप के मागा (मेक अमेरिकी ग्रेट अगेन) खेमे ने यह योजना सदा के लिए छोड़ दी है। सही मौका देखकर इसे फिर से क्रियान्वित करने का प्रयास होगा। वैसे तो अमेरिका को ह्यफिर से महान बनाने के अभियानह्न में लगा ट्रंप प्रशासन ईरान में सत्ता परिवर्तन के लिए किसी जमीनी युद्ध में नहीं उलझना चाहता, परंतु उसके इरादों को देखते हुए भारत को सतर्क होना होगा। भारत को सामरिक दृष्टिकोण से भी इस युद्ध के निहितार्थ समझने की आवश्यकता है। इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान व्हाइट हाउस में ट्रंप की ओर पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की आवभगत का एक गहरा अर्थ है। जब मुनीर व्हाइट हाउस में थे, लगभग उसी समय अमेरिकी मदद से सत्तासीन बांग्लादेश की भारत विरोधी मोहम्मद यूनुस सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मिल रहे थे। दरअसल ट्रंप की मागा योजना के अंतर्गत अमेरिका का नए सिरे से जो उद्योगीकरण प्रस्तावित है, वह बिना चीन और रूस के पर कतरे और भारत को तंग किए बिना संभव नहीं है। इस योजना को सिरे चढ़ाना उतना आसान नहीं है, क्योंकि भूमंडलीकरण के नाम पर अमेरिका ने ही अधिक मुनाफा कमाने के फेर में अपनी कंपनियों को चीन, वियतनाम जैसे देशों में स्थापित कराया। अब जब तक इन देशों में अमेरिकी कंपनियों के लिए उत्पादन के मोर्चे पर चुनौतियां नहीं दिखतीं, तब तक उनकी स्वदेश वापसी मुश्किल है। फिर भी अपनी योजना को लेकर अमेरिकी नवरूढ़िवादियों और ट्रंप के कथित युद्धविरोधी मागा खेमे में एक राय है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दो तरीके चुने गए हैं। पहला तरीका है ट्रेड और टैरिफ नीति के जरिये रूस, चीन के साथ-साथ भारत का भी आर्थिक संकट बढ़ाना। दूसरा तरीका है कट्टरपंथी इस्लामिक शक्तियों का अपने हित में इस्तेमाल करना। ट्रंप के चीनी वस्तुओं पर लगाए गए भारी टैरिफ के चलते चीन का अमेरिका को निर्यात काफी घटा है। यदि यह सिलसिला लंबे समय तक चला और चीन ने अपने निर्यात के लिए नए बाजार नहीं तलाशे तो वहां बड़ा औद्योगिक और सामाजिक संकट खड़ा हो सकता है। भारत चीन के विरुद्ध एक तरह से अमेरिका का सामरिक साझेदार है, लेकिन ट्रंप मात्र इतने से संतुष्ट नहीं। उन्हें भारत के रूप में एक लोकतांत्रिक मित्र राष्ट्र नहीं, बल्कि उनके हिसाब से चलने वाला देश चाहिए। भारत के अमेरिका के बताए रास्ते पर चलने से साफ इन्कार करने के बाद अब यह अमेरिका के एजेंडे में नहीं दिखता कि उसकी मदद से भारत चीन जैसी आर्थिक शक्ति बनकर खड़ा हो। यह अच्छा हुआ कि भारत ने साफ कर दिया कि उसे अमेरिका से व्यापार समझौते की जल्दी नहीं। ट्रंप ने हाल में यह भी कहा था कि भारत एक बड़ा देश है और वह अपने मसले खुद देख लेगा। ध्यान रहे एक अमेरिकी सीनटेर रूसी तेल खरीदने के चलते भारत पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की वकालत कर चुके हैं। पाकिस्तान को शह देते ट्रंप भी भारत-पाकिस्तान सीजफायर के मुद्दे को भी जब तब व्यापार से जोड़ते रहते हैं। इसके पीछे उनका भारत के लिए यही संदेश है कि अगर टैरिफ जैसे मुद्दों पर भारत ने अमेरिका की बात नहीं मानी तो उसे पाकिस्तान के मोर्चे पर और दिक्कतें झेलनी पड़ेंगी। यदि बांग्लादेश में भी अमेरिका लगातार इस्लामिक कट्टरपंथियों को बढ़ावा दे रहा है तो भारत को परेशान करने के लिए ही। इन परिस्थितियों में रूसी विदेश मंत्री द्वारा प्रस्तावित रूस, चीन और भारत का त्रिकोण अब प्रासंगिक लगता है। चीन भी अब इसे लेकर सजग हो रहा है। भारत और चीन के रिश्तों में बर्फ पिघलती देखी जा सकती है। हाल में शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात के बाद आए चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में उल्लेख हुआ कि दोनों देश एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी न होकर साझेदार हैं। जहां अमेरिकी टैरिफ के चलते चीन को एक बड़े बाजार की आवश्यकता है, वहीं भारत को त्वरित औद्योगिक विकास के लिए सस्ते कलपुर्जों की। दोनों देश एक दूसरे के पूरक बन सकते हैं। इसके बावजूद भारत को अपने सुरक्षा हितों के मामले में चीन को लेकर निरंतर सजग रहते हुए आगे बढ़ना होगा, क्योंकि सीमा विवाद जैसे मुद्दों पर पूर्व में चीन से बार-बार धोखा मिल चुका है। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि चीन के साथ आर्थिक साझेदारी भारत के औद्योगिक विकास में सहायक हो और वह चीन पर निर्भरता का कारण न बने।

राशिफल

मेष राशि: करियरः लेनदेन के मामले में आप अपनी आंख व कान खुले रखे, नहीं तो कोई आपके साथ धोखा कर सकता है. बिजनेसः निवेश से पहले सोच समझकर फैसला लेंधनः अपनी सुख सुविधाओं के कुछ वस्तुओं की खरीदारी पर भी काफी धन खर्च करेंगे

वृषभ राशि : करियरः किसी नई योजना में धन लगाने से पहले अपने भाइयों से बातचीत अवश्य करें. बिजनेसः कारोबारी के लिए ये समय अनुकूल.धनः धन का लेन-देन सावधानी से करें. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें.शिक्षाः छात्रों को पढाई पर ध्यान देना होगा, मानसिक भटकाव बना रहेगा.

मिथुन राशि: करियरः किसी बात को लेकर तनाव बना रहेगा, जो व्यर्थ होगा. बिजनेसः बिजनेस कर रहे लोगों के लिए दिन थोड़ा कमजोर रहेगा.धनः आपने यदि पहले कुछ धन उधार लिया था, तो आप उसे भी काफी हद तक उतारने में कामयाब रहेंगेस्वास्थ्यः मामूली सी बेचैनी रहेगी.

कर्क राशि: करियरः एक साथ कई काम हाथ आने से अपने आवश्यक कार्य को पहले पूरा करना होगा. बिजनेसः किसी जरूरी काम के कारण अकस्मात यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी.धनः आप किसी संपत्ति संबंधित विवाद को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो उसमें आप किसी आप बड़े सदस्यों से बातचीत कर सकते हैं.

सिंह राशि: करियरः कार्यक्षेत्र में विपरीत परिस्थितियों से आप निकलने में कामयाब रहेंगे और आपके कुछ विरोधी आपके ऊपर हावी होने की कोशिश करेंगे, जिनसे आपको बचना होगा. बिजनेसः कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा.धनः आपको अपने किसी पुराने लिए गए निर्णय के लिए पछतावा होगा.

कन्या राशि : करियरः कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का बोझ बहुत आ सकता है, लेकिन आप अपनी जिम्मेदारियों को समय रहते पूरा करने में कामयाब रहेंगे.बिजनेसः आपके लिए किसी नए काम की शुरूआत के लिए बेहतर रहने वाला है.

तुला राशि: करियरः आपके कुछ ऐसे खर्चे होंगे, जिन्हें आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करना पड़ेगा. बिजनेसः बिजनेस की योजनाओं को गति मिलने से आप प्रसन्न रहेंगे.धनः आज का दिन आपके लिए कुछ खर्चा भरा रहने वाला है, लेकिन आपको किसी से धन उधार लेने से बचना होगा, नहीं तो आप अपने संचय धन को भी काफी हद तक समाप्त कर देंगे

वृश्चिक राशि : करियरः आपका कोई जमीन जायदाद से जुड़ा मामला आपके लिए समस्या बन सकता है, जिसे आपको समय रहते निपटाना होगा. बिजनेसः व्यापार में भी मन मुताबिक लाभ न मिलने से आपका मन थोड़ा परेशान रहेगा

धनु राशि : करियरः काम बाधा डाल सकते हैं विरोधी. बिजनेसः बिजनेस के मामले में आप किसी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें.धनः आर्थिक तौर पर आंशिक गिरावट देखने को मिलेगी.स्वास्थ्यः आपको अपने मन में नकारात्मक विचारों को लाने से बचना होगा, नहीं तो आप परेशान रहेंगे.

मकर राशि : करियरः आप साझेदारी में किसी काम को करने की योजना बना सकते हैंबिजनेसः आप छोटी दूरी की यात्रा पर जाने की भी सोच सकते हैं.धनः अतिरिक्त धन के लिए भटकना पड़ेगा. स्वास्थ्यः मन प्रफुल्लित रहेगा.

कुंभ राशि: करियरः यदि कार्यक्षेत्र में कुछ समस्या चल रही थी, तो उनसे आपको काफी हद तक निजात मिलेगी.बिजनेसः व्यापार कर रहे लोगों को उम्मीद से ज्यादा लाभ दिलाने वाला रहेगा.धनः आप किसी व्यक्ति के कहने में आकर कोई बात विवाद में ना पड़े, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है.

मीन राशि : करियरः आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप उसे इधर-उधर के कामों में ना लगाकर अपने कामों पर फोकस बनाए रखें.बिजनेसः बिजनेस कर रहे लोगों के लिए कुछ उतार-चढ़ाव लेकर आएगा

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ज्ञान का प्रकाश और सफलता के सोपान

संजीव ठाकुर

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैं संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया है वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप है यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया है जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगी मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा, भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा है शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती है शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है

शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैं शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया है वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती है पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया है यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है

दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय है भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए-नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है।

दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें ,क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

प्रकृति एवं जीवन रक्षा के लिये नदियों का संरक्षण जरूरी

ललित गर्ग

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। नदियों के सूखने और प्रदूषित होने के कारणों में मुख्य हैं, अत्यधिक पानी का दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन। नदियां जीवन का आधार है, लेकिन तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब ह्यमृतह्न होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। नदियां के अत्यधिक खतरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। ओडिशा में कई नदियां सूख रही हैं और प्रदूषित हो रही हैं, जिससे वहां के पर्यावरण और लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

महानदी बचाओ आंदोलन और ओडिशा नदी सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित ओडिशा नदी सुरक्षा सम्मेलन में राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सरकार से एक समग्र नदी नीति बनाने एवं ओडिशा एवं अन्य प्रांतों की नदियों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की पुरजोर मांग उठी। पर्यावरणविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा, ह्यओडिशा की कई नदियां मरने के कगार पर हैं। अगर नदियों का स्वास्थ्य नहीं सुधरा, तो मानव का स्वास्थ्य भी नहीं बचेगा ह्न बात केवल ओडिशा की ही नहीं है, बल्कि सभी प्रांतों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और घरेलू जरूरतों के लिए नदियों से अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है, जिससे नदियों में पानी की कमी हो गई है। औद्योगिक कचरा, सीवेज और कृषि अपवाह नदियों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है। भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है।

ऑपरेशन चक्र-v के तहत संगठित साइबर अपराध/डिजिटल गिरफ्तारी के खिलाफ सीबीआई का बड़ा अभियान

- सीबीआई का साइबर धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए जा रहे म्यूल बैंक खातों के संबंध में 42 स्थानों पर देशव्यापी सर्च ऑपरेशन

भारत संवाद

साइबर अपराध और डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों से निपटने के लिए चल रहे प्रयासों के क्रम में, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने विशिष्ट स्रोत सूचना पर कार्रवाई करते हुए और सत्यापन के बाद ऑपरेशन चक्र-श के तहत 05 राज्यों अर्थात राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में 42 स्थानों पर समन्वित तलाशी शुरू की है, ताकि डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले, छद्म रूप धारण करने, धोखाधड़ी वाले विज्ञापनों, निवेश संबंधी धोखाधड़ी और यूपीआई-आधारित वित्तीय धोखाधड़ी में शामिल संगठित साइबर धोखेबाजों द्वारा पीड़ितों के खातों से साइबर धोखाधड़ी की राशि को अंतरित करने के लिए खोले जा रहे म्यूल बैंक खातों के खतरे से निपटा जा सके। इन साइबर धोखेबाजों को कुछ बैंक कार्मिकों, एजेंटों, एग्रीगेटर्स, बैंक संपर्क व्यक्तियों, बिचौलियों और ई-मित्रों की कमीशन और चूक से मदद मिल रही है, जो साइबर धोखाधड़ी वाले धन को प्राप्त और अंतरित करने के साथ-साथ ऐसे खातों से निकासी को सक्षम बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले म्यूल खाते खोलने में सुविधा प्रदान कर रहे हैं।सीबीआई ने म्यूल खाते खोलने की पूरी साजिश, बैंकरों और बिचौलियों की भूमिका का पता लगाने और बैंक के मौजूदा नियमों व दिशा-निर्देशों को समझने के लिए जांच शुरू की है। जांच से पता चला है कि संपूर्ण भारत में विभिन्न बैंकों की 700 से अधिक शाखाओं में लगभग 8.5 लाख म्यूल खाते खोले गए है।

अपराध एवं अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का और सख्ती से हो पालन: नन्दी

औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ने की जनपद प्रयागराज के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक

- जुआ और एनडीपीएस के मामले में विशेष कार्रवाई के दिए निर्देश
- ऐनुद्दीनपुर में शौचालय निर्माण न होने पर तत्कालीन डीपीआरओ के खिलाफ जांच कर कार्रवाई के निर्देश
- रोस्टर के आधार पर प्रमुख बाजारों में कराई जाए पेट्रोलिंग

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने गुरूवार को प्रयागराज के अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद के विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। जिसमें मंत्री नन्दी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित प्राथमिकता वाले विकास परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कराया जाए। अपराध एवं अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का सख्ती से पालन करते हुए अपराधियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मंत्री नन्दी ने नगर निगम क्षेत्र में विस्तार के बाद नगर निगम में शामिल ऐनुद्दीनपुर में शौचालय निर्माण न होने और मनमाने तरीके से गांव को ओडीएफ घोषित करने पर तत्कालीन डीपीआरओ के खिलाफ जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री नन्दी ने कहा कि रोस्टर बनाकर जनपद के सभी बाजारों में फुट पेट्रोलिंग कराई जाए। महाकुम्भ के दौरान भी प्रयागराज की पुलिसिंग की तारीफ हुई। मंत्री नन्दी ने कहा कि 112 पर पीड़ित द्वारा की गई शिकायतों पर त्वरित व निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जुआ और एनडीपीएस के मामले में विशेष कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि करेली और कीडगंज में स्मैक के केस बढ़ रहे हैं। नशेड़ियों द्वारा . वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। अपराध की चेन ब्रेक करें। सबसे पुरानी पांच समीक्षाएं लम्बित होने की सूची मांगी, जो पुलिस अधिकारी नहीं दे सके। गिरफ्तार होने से बचे सात अभियुक्तों के विरूद्ध कार्रवाई करें। कहा कि पुलिस गवाह को सुरक्षा का पूर्ण भरोसा दे तभी अपराधी को सजा हो सकती है। अन्यथा गवाह मुकर जाएंगे या गवाही देने के लिए राजी नहीं होंगे।कहा कि मकान मालिक और किराएदार के मामलों में नगर निगम पार्टी बने ये अच्छी बात नहीं। अभी हाल ही में किसी का जर्जर मकान कान दिखा कर मकान गिरा दिया गया। मालिक राजस्थान गया हुआ था। कार्रवाई कराई, इसमें इंस्पेक्टर को हटाया गया।मुख्य अभियंता विद्युत व डीएसटीओ रहे अनुपस्थित मुख्य अभियंता विद्युत के अनुपस्थित रहने पर मंत्री नन्दी ने जिलाधिकारी को उनका स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए।

फास्ट ट्रैक

जिलाधिकारी ने अमृत योजनान्तर्गत जल जीवन मिशन कार्यो की समीक्षा कर ली जानकारी

वर्षा मौसम के दृष्टिगत सड़को पर न करे खोदाई-खोदे गए सड़को का तत्काल कराएं मरम्मत, अन्यथा होगी कार्यवाही -जिलाधिकारी

भारत संवाद

मीरजापुर , जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कलेक्ट्रेट सभागार में अमृत योजनान्तर्गत जल जीवन मिशन के तहत कराएं जा रहे सीवरेज परियोजना फेज-1 व फेज-2, हाउस कनेक्शन, पेयजल वाटर सप्लाई आदि कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा कर प्रगति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित अधिशासी अभियंता जल निगम नगरीय पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि नगर के विभिन्न सड़को पर पाइन लाइन बिछाने व अन्य कार्यो हेतु खोदे गए गढ्ढो को तत्काल कार्य में प्रगति लाते हुए बन्द कराया जाए तथा खोदाई किए गए स्थान पर गुणवत्तापूर्ण सड़क मरम्मत कराई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रयास यह किया जाए कि वर्षा के मौसम के दृष्टिगत खोदाई कार्य न किया जाए यदि कही विशेष परिस्थितियों में आवश्यक हो तो सड़क के किनारे पटरी पर खुदाई कार्य किया जाए तथा तत्काल कार्य पूर्ण कराते हुए सड़क मरम्मत करा दी जाए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं रास्ते में की गई खोदाई/गढ्ढो के कारण यातायात प्रभावित होता है तो सम्बन्धित एजेंसी एफ0आई0आर0 दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। हाउस कनेक्शन व सड़को की मरम्मत, वाटर सप्लाई, सीवरेज हाउस कनेक्शन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जल निगम नगरीय के कार्यो को सबसे खराब कार्य बताते हुए नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देशित किया कि कार्यो में सुधार लाएं। बैठक में बताया गया कि फेज-1 के अन्तर्गत डब्लू0टी0पी0, इण्टरवेल तथा सी0डब्लू0आर0 कार्य कराया गया तत्पश्चात 08 जून 2025 में पानी आपूर्ति का कार्य किया जा रहा हैं। जिलाधिकारी कहा कि किस-किस जोन/वार्ड कितने हाउस होल्ड कनेक्शन दिए गए है सूची उपलब्ध कराएं। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित करते हुए कहा कि इनके द्वारा कराए गए कार्यो के पश्चात जहां सड़को की मरम्मत न कराई गई हो अथवा मरम्मत के उपरान्त सड़क बैठ/धंस गई हो सूची उपलब्ध कराते हुए अधिशासी अभियंता से से मरम्मत कार्य करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में परियोजना निदेशक डी0आर0डी0 धर्मवीर सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर गोवा लाल सहित जल निगम के सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

त्रैमासिक राजभाषा पत्रिका ह्यरेल संगम' के संरक्षा और सुरक्षा विभाग विशेषांक का विमोचन

भारत संवाद

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शामिल अधिकारियों को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने कहा कि संघ की राजभाषा नीति को लागू करना हम सबका संवैधानिक कर्तव्य और कानूनी दायित्व है। हिंदी का प्रयोग-प्रसार प्रेरणा और प्रोत्साहन की नीति द्वारा किया जाना अपेक्षित है, साथ ही सरकार और रेलवे बोर्ड के आदेशों और दिशा निर्देशों के पालन में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित राजभाषा के विभिन्न प्रावधानों को लागू कराने के लिए पूरी तत्परता से कार्रवाई की जानी चाहिए। श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने इस बात पर विशेष बल देते हुए कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित राजभाषा के विभिन्न प्रावधानों को लागू कराने के लिए राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का शत-प्रतिशत अनुपालन एक अनिवार्य एवं सर्वोपरि दायित्व है और मूल पत्राचार, अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर, डिक्टेशन, नोटिंग और निरीक्षण जैसे विषयों में लक्ष्य के अनुसार हिंदी का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। श्री जोशी ने उपस्थित प्रधान विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि अधिकारियों द्वारा सभी प्रकार की अधिकाधिक निरीक्षण रिपोर्टें हिंदी में जारी की जाएँ, संबंधित कार्यालयों में राजभाषा प्रगति से संबंधित निरीक्षण किए जाएँ तथा निरीक्षण रिपोर्टों में इसका उल्लेख किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभागों, मंडलों और कारखानों द्वारा उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट पर अपने लिंक में सभी सूचनाएं हिंदी-अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराई जाएँ तथा इन सूचनाओं को दोनों भाषाओं में एक साथ अपडेट कराया जाए। महाप्रबंधक श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने कहा कि मंडलों द्वारा सुनिश्चित किया जाए कि स्टेशनों पर यात्री एवं ग्राहक सेवा और सुविधाओं से संबंधित सूचनाओं तथा अन्य सभी मदों, विशेष रूप से सभी इलेक्ट्रानिक डिस्प्ले सूचनाओं, कोच गाइडेंस सिस्टम आदि में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं का अनिवार्य रूप से प्रयोग किया जाए तथा इन्हें किसी भी स्थिति में केवल अंग्रेजी में न प्रदर्शित किया जाए।श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक श्री बसंत कुमार शर्मा के काव्य संग्रह ह्यढाई आखरह्ण को रेलवे बोर्ड के मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार के लिए चयनित किए जाने पर उन्हें बधाई दी। श्री जोशी ने हाल ही में रेलवे बोर्ड में आयोजित कार्यक्रम में राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य के लिए रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किए गए

आगरा के सींगना में अंतर्राष्ट्रीय आलू अनुसंधान केंद्र की स्थापना को मिली केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

उत्तर प्रदेश के आगरा में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र की शाखा खुलेगी, जिसके लिए 111 करोड़ रुपये स्वीकृत

- अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र आलू और शकरकंद की उन्नत किस्मों के विकास में मदद करेगा
- उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 04 से 06 जुलाई, 2025 तक लखनऊ में आयोजित किया जाएगा
- महोत्सव में देश-विदेश से आम के उत्पादकों व निर्यातकों की होगी भागीदारी

भारत संवाद

लखनऊ : प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के आगरा जनपद के सींगना स्थित राजकीय औद्यानिक प्रक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र, लीमा (पेरू) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव को भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। इस परियोजना हेतु रु. 111 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि यह ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 25 जून, 2025 को लिया गया, जिससे न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे एशिया क्षेत्र को कृषि अनुसंधान व तकनीकी नवाचार का लाभ मिलेगा। मंत्री ने कहा कि यह केंद्र आलू व शकरकंद की उन्नत, पोषणसमृद्ध और जलवायु अनुकूल किस्मों के विकास, कटाई के बाद प्रबंधन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, विपणन, और रोजगार सृजन जैसे महत्वपूर्ण आयामों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में सहायक होगा।श्री सिंह ने कहा कि आलू की उत्पत्ति जिस देश पेरू में हुई, वहीं के अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र की यह शाखा अब उत्तर प्रदेश के आगरा में स्थापित की जा रही है। एशिया में अब तक इसकी केवल एक शाखा चीन में है और दूसरी शाखा आगरा में खुलना उत्तर भारत और राज्य के किसानों के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 2300 कोल्ड स्टोरेज संचालित हैं। आगरा और आसपास के क्षेत्रों में ही 1000 से अधिक कोल्ड स्टोरेज स्थित हैं, जो इस क्षेत्र को आलू उत्पादन और भंडारण का सबसे उपयुक्त केंद्र बनाते हैं। उन्होंने बताया कि उद्यान विभाग ने अपनी राजकीय आलू बीज उत्पादन प्रक्षेत्र में से 25 एकड़ भूमि नेशनल हॉर्टीकल्चर बोर्ड को इस संस्थान हेतु दी है।

सदस्य राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश ने की महिला जन सुनवाई

भारत संवाद

मीरजापुर , मा0 सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग श्रीमती नीलम प्रभात की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में महिला पूर्व जनसुनवाई समीक्षा, आई0सी0डी0एस0 कार्यक्रम, टेक होम राशन योजना, कार्य स्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण 2013 के तहत समस्त विभागों, कार्यालयों में आन्तरिक परिवाद समिति (आई.सी.सी) गठन की समीक्षा, उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष योजना की समीक्षा की गई। जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी ने समीक्षा सम्बन्धी विन्दुओं से मा0 सदस्य को अवगत कराया। समीक्षा के दौरान मा0 सदस्य द्वारा सभी विभागों में आई0सी0सी0 गठन हेतु निर्देशित किया। रानी लक्ष्मीबाई योजना में समय से आख्या लगाने व पीड़िता को लाभान्वित कराने हेतु पुलिस, स्वास्थ्य व महिलाकल्याण विभाग को निर्देशित किया गया। साथ ही महिला जनसुनवाई करते हुए प्राप्त 08 प्रकरणों को सुना गया, जिसमें घरेलू हिंसा, जमीनी विवाद, मारपीट, दहेज, प्रेम प्रसंग से शोषण आदि संबंधित प्रकरण प्रमुख थे। प्राप्त प्रकरणों में सम्बंधित अधिकारियों व विभागों को त्वरित निस्तारण हेतु मा0 सदस्य द्वारा निर्देशित किया गया।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक उपलब्धि पर मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने दी बधाई

भारत संवाद

लखनऊ,प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को लखनऊ स्थित भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन श्री शुभांशु शुक्ला के आवास पर पहुंचकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए उड़ान भरने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।मंत्री श्री सिंह ने कहा कि श्री शुभांशु शुक्ला की यह ऐतिहासिक उपलब्धि उत्तर प्रदेश ही नहीं, संपूर्ण भारतवर्ष के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से देश के युवाओं को विज्ञान, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा बिष्ट यादव एवं लखनऊ उत्तर विधान सभा क्षेत्र के विधायक डॉ. नीरज बोरा भी उपस्थित रहे। सभी ने श्री शुभांशु शुक्ला के परिवारजनों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल की हॉकी टीम को मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मंडल ने दी बधाई

भारत संवाद

प्रयागराजः उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल की हॉकी टीम ने हाल ही में आयोजित प्रयागराज हॉकी लीग 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लीग चरण में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। यह टूर्नामेंट 15 से 25 जून तक MIC ग्राउंड पर प्रयागराज हॉकी संघ के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। टीम ने कुल चार मैचों में जीत दर्ज की एवं एक मैच ड्रॉ खेला। इस दमदार प्रदर्शन के आधार पर टीम फाइनल में पहुंची, जहं वह द्वितीय स्थान पर रही। टीम की इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में आज मंडल रेल प्रबंधक श्री रजनीश अग्रवाल ने टीम के कोच श्री पंकज गोस्वामी एवं समस्त खिलाड़ियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक (DFM) एवं मंडल खेल अधिकारी श्री शैलेंद्र कुमार सिंह द्वारा टीम को मंडल रेल प्रबंधक से मिलवाया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रेलवे प्रशासन खेलों को बढ़ावा देने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।टीम के कोच श्री पंकज गोस्वामी एवं खेल सचिव श्री धर्मेंद्र निषाद ने उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने की मोहर्रम पर्व एवं कॉवड़ यात्रा को सौहार्दपूर्ण सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए शान्ति समिति की बैठक

भारत संवाद

कौशाम्बी जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा उदयन सभागार में मोहर्रम पर्व एवं कॉवड़ यात्रा को सौहार्दपूर्ण सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों एवं सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ शान्ति समिति की बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से मोहर्रम पर्व को शान्तिपूर्ण व सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए अब तक गई कार्यवाही यथा-थानावार पीस कमेटी की बैठक, जुलूस मार्ग का निरीक्षण एवं ड्यूटी लगाये जाने आदि की जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने सम्भ्रान्त नागरिकों से समस्याओं/सुझावों को प्राप्त करते हुए कहा कि मोहर्रम पर्व एवं कॉवड़ यात्रा को आपसी सौहार्द एवं भाईचारा के साथ मनाया जाय। सम्भ्रान्त नागरिकों ने कहा कि त्यौहार को शान्तिपूर्ण एवं आपसी सौहार्द के साथ मनाया जायेंगा तथा कोई भी अप्रिय घटना नहीं होने दी जायेंगी। जिलाधिकारी ने मोहर्रम पर्व एवं कॉवड़ यात्रा के दृष्टिगत सभी उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों का निरन्तर भ्रमण करते रहने के निर्देश देते हुए कहा कि कहीं पर भी कोई समस्या आती है तो उसका तत्काल समाधान किया जाय। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों एवं जिला पंचायतराज अधिकारी को ताजिया जूलूस मार्गों की साफ-सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दियें। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को बैठक में विद्युत से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों को निस्तारित करने के निर्देश दियें। उन्होंने अधिशासी अभियनता पी0डब्लूडी से कहा कि जिस रोड से ताजिया, जुलूस निकल रहे हो उस रोड पर कही भी गड्ढे हो तो उसको भरवा दें।

ग्वालियर से सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरु के लिए नई साप्ताहिक एक्सप्रेस सेवा प्रारंभ मध्य प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के यात्रियों को सीधी कनेक्टिविटी

मध्य प्रदेश को 14,745 करोड़ का रेल बजट, अधोसंरचना में हो रहा तीव्र निवेश रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया

भारत संवाद

- मध्य प्रदेश में 2,651 किमी नई पटरियों का निर्माण, 100% विद्युतीकरण पूर्ण स्टेशन पुनर्विकास, डबल/तीन-चौथी लाइन सहित 24,000 करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने ग्वालियर से बेंगलुरु के लिए शुरू की गई नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन के शुभारंभ किया। इस अवसर पर रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश की जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन ग्वालियर, गुना, भोपाल सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, जहाँ से बड़ी संख्या में लोग बेंगलुरु की ओर यात्रा करते हैं। केंद्रीय रेल मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में रेलवे के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति हुई है। एक दशक पूर्व जहाँ राज्य को 600 करोड़ के आसपास रेल बजट प्राप्त होता था, वहीं वर्तमान में 14,745 करोड़ का रेल बजट आवंटित किया गया है। मध्य प्रदेश में 100 प्रतिशत रेल विद्युतीकरण पूर्ण किया जा चुका है। बीते 11 वर्षों में राज्य में 2,651 किलोमीटर नई रेल पटरियाँ बिछाई गई हैं, जो डेनमार्क जैसे देश के कुल रेल नेटवर्क से भी अधिक है। राज्य में 80 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जिनमें ग्वालियर स्टेशन का विकास विशेष वास्तुकला के साथ किया जा रहा है। श्री वैष्णव ने बताया कि ग्वालियर और आगरा के बीच एक नई यात्री ट्रेन सेवा शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, मध्य प्रदेश में कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें मनमाडइंदौर नई रेललाइन (309 किमी) 18,036 करोड़ की लागत से, भुसावलखंडवा तीसरी और चौथी लाइन 3,514 करोड़ की लागत से, मानिकपुरप्रयागराज तीसरी लाइन 1,640 करोड़ में तथा रतलामनागदा तीसरी और चौथी लाइन 1,018 करोड़ की लागत से शामिल हैं। बीते एक वर्ष में राज्य में 24,000 करोड़ की रेल परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं, जो मध्य प्रदेश के रेल मानचित्र को पूरी तरह बदल देंगी। सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि उज्जैन स्टेशन के पुनर्विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार है। स्टेशन पर कार्य सिंहस्थ आयोजन के बाद आरंभ किया जाएगा, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उज्जैन के साथ ही इंदौर सहित आसपास के अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तेजी से चल रहा है। गाड़ी संख्या 11086 ग्वालियरबेंगलुरु एक्सप्रेस प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 15:00 बजे ग्वालियर से प्रस्थान करेगी और नागपुर, काचेगुड़ा, धर्मावरम होते हुए रविवार सुबह 07:35 बजे सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलुरु पहुँचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 11085 प्रत्येक रविवार को शाम 15:50 बजे बेंगलुरु से रवाना होकर मंगलवार को सुबह 10:25 बजे ग्वालियर पहुँचेगी। यह गाड़ी शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, बीना, भोपाल, बैतूल, नागपुर, सेवाग्राम, चंद्रपुर, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, काजीपेट, काचेगुड़ा, महबूबनगर, गडवाल, कुरनूल सिटी, ढोन, अनंतपुर, धर्मावरम, हिंदूपुर और येलहांका स्टेशनों पर रुकेगी। इस साप्ताहिक ट्रेन में कुल 22 एलएचबी कोच होंगे, जिनमें चार सेकंड सिटिंग, चार तृतीय वातानुकूलित, तीन तृतीय वातानुकूलित इकोनॉमी, दो द्वितीय वातानुकूलित तथा शेष स्लीपर श्रेणी के कोच शामिल हैं। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव, केंद्रीय संचार तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर तथा रेलवे के वरिष्ठ अधिकारीगण कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम से मध्य प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर मौजूद जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा आमजन भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर सहभागी बने।

अंतर्राष्ट्रीय नशा उन्मूलन एवं अवैध तस्करी निरोध दिवस

नशे की लत से बाहर निकलने के लिये सिर्फ कानून नहीं, करुणा चाहिए

- परमार्थ गुरूकुल के ऋषिकुमारों को नशा मुक्त जीवन जीने का कराया संकल्प
- स्वास्थ्य ही संकल्प, नशा नहीं विकल्प : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। आज अंतर्राष्ट्रीय नशा उन्मूलन एवं अवैध तस्करी निरोध दिवस के अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने विशेषकर युवाओं को संदेश देते हुये कहा कि नशे को कहे ना और जीवन को कहे हाँ। नशा, एक मूक हत्यारा है जो हर वर्ष लाखों जिंदगियाँ निगल लेता है। नशा न केवल शरीर को, बल्कि मन, समाज और आत्मा को भी भीतर से खोखला करता है। नशा, एक मीठा जहर है और नाश का कारण भी है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि नशा केवल आत्मा का नहीं, समाज की चेतना का भी अपहरण करता है इसलिये अपराध नहीं अध्यात्म चुनो, नशा केवल व्यक्तिगत लत नहीं, बल्कि वैश्विक अपराधों की जड़ है। संगठित अपराध, मानव तस्करी, आतंकवाद, घरेलू हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के मूल में नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार और दुरुपयोग गहराई से जुड़ा है। यह न केवल युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेलता है, बल्कि राष्ट्र की ऊर्जा और शक्ति को भी छीन लेता है। स्वामी जी ने कहा कि युवाओं के हाथों में केवल नशा या सिगरेट नहीं, पूरे राष्ट्र का भविष्य है इसलिये अपने जीवन को नशे की गिरफ्त से निकालकर सेवा, संस्कार और संकल्प के मार्ग पर लगाओ। उन्होंने कहा कि युवाओं को उड़ान भरने के लिए नशा नहीं, आत्मबल चाहिए। स्वामी जी ने आह्वान किया कि नशे की लत से बाहर निकलने के लिये सिर्फ कानून नहीं, करुणा चाहिए। सिर्फ पुलिस नहीं, पालक चाहिए। केवल नियंत्रण नहीं, चेतना का निर्माण चाहिए इसलिये नशे को कहे ना और जीवन को कहे हां। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि अब समय आ गया कि अपराध की जड़ को पहचानें, और उसे काटें।

वैदिक ज्योतिष संस्थान पर हुई गुप्त नवरात्रि की पूजा

यश और कीर्ति की अधिष्ठात्री हैं देवी श्री विद्या : स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज

भारत संवाद

अलीगढ।वैदिक ज्योतिष संस्थान पर गुप्त नवरात्रि अनुष्ठान का प्रारंभ आषाढ़ शुक्ल पक्ष गुरुवार प्रातः 8 बजे से हो चुका है,जिसमें पहले दिन भगवती के कलश स्थापन की पूजा बद्रीनाथ धाम से पधारे स्वामी अदृश्यानंद जी महाराज के सानिध्य में मुख्य यजमान याशू शर्मा, स्वेता शर्मा के द्वारा विधि विधान के साथ देवी के स्वरुप का पूजन अर्चन,आवरण किया गया।स्वामी श्री पूणार्नंदपुरी जी महाराज के सानिध्य में प्रारंभ हुए इस अनुष्ठान में आचार्य गौरव शास्त्री,रवि शास्त्री,शिवम शास्त्री ने भगवान गणेश जी से प्रारम्भ कर जगत जननी भगवती माँ का अर्चन एवं तर्पण कर अभिषेक करवाया। स्वामी पूणार्नंदपुरी जी ने गुप्त नवरात्रि के बारे में बताया कि देवी भागवत के अनुसार जो साधक गुप्त नवरात्रि में कम समय में दस महाविद्याओं में किसी भी महाविद्या की साधना करना चाहते हैं, वह इस गुप्त नवरात्रि में अनुष्ठान करके जल्दी सफलता ले सकते हैं। वहीं गुरुवार के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बना

जो सुबह 08:46 से पूरी रात तक रहा। स्वामी जी के अनुसार सर्वार्थ सिद्धि योग में किया गया कार्य अवश्य सफल होता है इस पावन अवश्य पर अनेक भक्तो ने भगवती के दर्शन कर अपने जीवन को कृतार्थ किया।

प्रभु जी की रसोई का सेवाकार्य अद्वितीयः जिलाधिकारी

भारत संवाद

सहारनपुर 26 जून।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि प्रभु जी की रसोई का सेवाकार्य अद्वितीय है। भूखे को भोजन देकर जो आत्मिक शांति मिलती है, वह अनमोल है। श्री बसंल आज अपने एक वर्ष का कार्यकाल सकुशल पूर्ण होने पर नगर निगम स्थित प्रभु जी की रसोई पहुंचे थे।जहां उन्होंने अपने हाथों से गरीब, असहाय व जरूरतमंद लोगों को भोजन परोसा। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि उन्होंने 26 जून 2024 को सहारनपुर में अपना कार्यकाल प्रारंभ किया था, जो बहुत ही संतोषजनक रहा है।सहारनपुर की जनता काफी मिलनसार है, जो स्नेह व सम्मान उनके द्वारा मिल रहा है, उसे वे कभी भूल नहीं पायेंगे तथा सहारनपुरवासियों की सेवा और अधिक मनोयोग से करेगें। श्री बंसल ने कहा कि आज प्रभु जी की रसोई में आकर उनका दिन यादगार हो गया है, वे हमेशा इस दिन को याद करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने प्रभु जी की रसोई के सचिव शीतल टण्डन एवं उनकी टीम का धन्यवाद किया तथा उनके द्वारा किये जा रहे नेक कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भूखों को भोजन कराने से स्वयं का मन भी तृप्त होता है और भोजन करने वाला भी मन से आशीर्वाद देता है, जिससे इंसान के बिगड़े काम भी बन जाते है। उन्होंने कहा कि प्रभु जी की रसोई का सेवाकार्य अद्वितीय है। जिलाधिकारी मनीष बंसल का आज प्रभु जी की रसोई में पहुंचने पर प्रभु जी की रसोई के सचिव शीतल टण्डन एवं उनकी टीम ने माला, पुष्प गुच्छ व पटका पहनाकर जोरदार स्वागत अभिनन्दन किया। सचिव शीतल टण्डन ने जिलाधिकारी को बताया कि प्रभु जी की रसोई वर्ष 2017 से निरंतर संचालित है तथा लाखों लोगों को अब तक दोपहर का निःशुल्क भोजन परोस रही है। लोग यहां अपनी वैवाहिक वर्षगांठ, जन्मदिन आदि के अवसरों पर आकर जरूरतमंदों को भोजन परोसते हैं।यह रसोई सभी के सहयोग से चल रही है और भविष्य में भी निरन्तर चलती रहेगी।इस अवसर पर प्रभु जी के रसोई के सचिव शीतल टण्डन, कर्नल संजय मिडढा, पं.जयनाथ शर्मा, मुरली खन्ना, रमेश अरोडा, मेजर एस.के.सूरी, अरूण भाटिया, भोपाल सिंह सैनी मौ.युसूफ, हेमंत कपूर, संजीव सचदेवा, सुरेन्द्र शर्मा, भूपेन्द्र मोंगा, प्रवीन मोंगा आदि भारी संख्या में गणमान्य व्यक्ति मौजूद है।

वैश्य अग्र महिला समिति सहारनपुर का पारिवारिक वार्षिकोत्सव

भारत संवाद

सहारनपुर। वैश्य अग्र महिला समिति का पारिवारिक वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया ।जीपीओ रोड स्थित होटल पंजाब में कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के चित्र के समक्ष सम्मानित सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित करके किया गया ।सभी बहनों ने महाराजा अग्रसेन जी की वंदना की एवं जयकारा लगाया ।तत्पश्चात शालिनी जी द्वारा स्वागत नृत्य से सब का स्वागत किया गया अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति की बहनों द्वारा प्रस्तुत किए गए ।जहॉ एक और सुन्दर नाटिका प्रस्तुति से समिति के कारण बने अनमोल रिश्तों की झलक दिखायी दी वहीं दूसरी ओर देश और समाज में हो रही वर्तमान घटनाओं को दिखाते हुए ऑपरेशन सिंदूर पर एक सुंदर कार्यक्रम समिति की बहनों द्वारा प्रस्तुत किया गया। तीन बहनों ने फनी नाटिका से सबको हंसाया ,कुछ बहनों द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया

फास्ट ट्रैक

रविवार को समाधि महाराज मंदिर प्रांगण होगी ब्रह्मभट्ट ब्रह्मण सभा की अवश्य मीटिंग

भारत संवाद

अलीगढ।सभा के वरिष्ठ पदाधिकारी नरेश चंद्र शर्मा ने कहा कि श्री ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण सभा के सभी बंधुओं एवं मातृशक्ति को वंदन, अभिनंदन, नमन हमारी सभा के परम आदरणीय अध्यक्ष जी गौरी शंकर शर्मा जी के आदेशानुसार एक अति आवश्यक मीटिंग का आयोजन रविवार 29 जून को सुबह दस बजे से आईटीआई रोड अलीगढ़ स्थित श्री समाधि महाराज मंदिर के प्रांगण में किया जाएगा जिसमें सभी भाइयों को उपस्थित होना है, मीटिंग में सभी पदाधिकारी अति आवश्यक रूप से उपस्थित होने चाहिए, क्योंकि जुलाई के अंतिम रविवार या अगस्त के प्रथम रविवार को गत वर्षों की भांति विगत वर्ष भी छात्र प्रतिभा एवं वरिष्ठ जन सम्मान समारोह कार्यक्रम मनाया जाएगा जिसके लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी।

मण्डलायुक्त ने समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों का संज्ञान लेकर जनसमस्याओं के समाधान के दिए निर्देश

सूचना विभाग द्वारा भेजी गई प्रेस क्लिपिंग्स पर समयबद्ध एवं सारगर्भित आख्या उपलब्ध कराएं अधिकारी

भारत संवाद

अलीगढ़ मण्डल। अलीगढ़ 26 जून 2025 (सू0वि0): मीडिया को यूं ही लोकतंत्र का चौथा स्तंभ नहीं कहा जाता। समाचार पत्र हों, इलेक्ट्रॉनिक या सोशल मीडिया, यह समाज का आईना होते हैं। शासन-प्रशासन द्वारा समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों को गंभीरता से लेकर कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ संगीता सिंह ने मण्डलीय समीक्षा बैठक में विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित जनहित की खबरों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मण्डलायुक्त ने प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार जख्मी सड़कों से राहगीर परेशानः विजयगढ़, सासनी एवं अकराबाद मार्ग की दुर्दशा , तीन माह पहले खोला गया नाला जस का तसः स्कूल खुलने पर बढ़ेगी समस्या , नाले ओवरफ्लो, सीवर का पानी सड़कों पर , सेंटर प्वाइंट फुटपाथ पर कब्जा , चार हजार खर्च कीजिए, 100 साल के व्यक्ति का भी जन्म प्रमाण पत्र बन जाएगा , शिक्षा की बदहालीः जिले में शिक्षकों के 2947 पद खाली एवं बरसात में रोडवेज बसों के यात्री झेलेंगे दिक्कतें, खिड़कियों के टूटे शीशों से आएगा पानी जैसी खबरों का उल्लेख करते हुए कहा कि मीडिया द्वारा उजागर की गई जनसमस्याएं वास्तविकता को सामने लाती हैं, जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब समाचार पत्रों में समस्याओं को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाता है

मातेश्वरी जगदंबा का स्मृति दिवस मनाया गया

बहादुर सिंह संवाददाता गोड़ा ,भारत संवाद

अलीगढ।कस्बा गोड़ा में प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विश्वविद्यालय की शाखा गौंडा पर मातेश्वरी जगदंबा मम्मा का स्मृति दिवस आज बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया।जिसमें बीके सावित्री बहन के द्वारा उनके जीवन पर प्रकाश डाला। जिसमें उनके द्वारा कहा गया जैसा कि शास्त्रों में लिखा है हमें संसार आदि देवी अथवा देब के रूप में याद करता है वेदों में सरस्वती को ज्ञान की देवी कहा गया है। अब हम यह जानते हैं कि सरस्वती प्रजापति ब्रह्मा की पुत्री भी हैं और जगत अम्मा भी हैं ।जिनके द्वारा परमात्मा हर एक की इच्छाओं को पूरी करता है इसी कारण जगदंबा की पूजा होती है । सभी की इच्छाएं निराकार परमात्मा ही जगदंबा के माध्यम से पूर्ण करने वाला है । उसे मनुष्य आत्मा की रूहानी यात्रा को जिसका सबसे अधिक पूजन होता है जिन्होंने मम्मा के साथ रह उनके गुड़ को पहचान एवं मम्मा के मुख से मुरली सनी मम्मा का जीवन बहुत ही साधारण सेवा के प्रति तट पर था। मम्मा का जन्म 1920 में एक मध्यम वर्ग परिवार में माता रोज और पिता पोकर दास के घर अमृतसर पंजाब में हुआ था। 1936 से उनके रूहानी जीवन यात्रा प्रारंभ हुई थी मम्मा बहुत ही गुणवान आत्मा थी। वह 17 वर्ष की अल्प आयु में ही मम्मा आत्मक रूप से प्रख्यात हो गई थी सारी जिम्मेदारियां को अपने हाथ में ले लिया था।इस मौके पर बीके प्रियंका बहन, सुरेंद्र कुमार अटल मंडल महामंत्री, सुरेश गुप्ता, सत्यदेव गुप्ता, ज्ञानेंद्र गुप्ता, सुखबीर सिंह महाशय, दलबीर सिंह, त्रिलोकी सिंह, राम चरन गुप्ता, सोनू सिंह, आदि लोग मौजूद थे।

सोते रहे सेल्समैन, शराब के ठेके से चोरों ने की लाखों की शराब पार

आकाश शर्मा,भारत संवाद

अलीगढ़ः थाना गोधा स्थित गांव सुनामई के देसी शराब के ठेके से अज्ञात चोर दुकान में पीछे से नकब लगाकर लाखों की शराब चोरी कर ले गए, मामले की रिपोर्ट दुकान स्वामी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना गोधा में दर्ज कराई है। थाना गोधा के गांव सुनामई में रेलवे स्टेशन के पास ही चित्रांजलि कालोनी सवर्ण जयंती नगर अलीगढ़ निवासी विशांत चौधरी पुत्र प्रताप सिंह की शराब की दुकान है जिसमें अनुज्ञपि उसके ससुर सरबेंद्र कुमार निवासी कलाई थाना हरदुआगंज हैं। बुधवार की रात को शराब के सेल्समैन राम अवतार यादव निवासी नगला चिरोही रामघाट जनपद बुलंदशहर व बंटी निवासी इनायत गंज थाना छर्रा, अलीगढ़ एवं कैंटीन संचालक प्रमोद निवासी नगला बरी थाना विजयगढ़ दुकान बंद करने के पश्चात दुकान के सामने ही बरामदे में सोए हुए थे कि रात में किसी समय अज्ञात चोर दुकान के पीछे की तरफ से नकाब लगाकर दुकान के गले में रखे 16000 रुपए व 38 पेटी शराब जय वीरू व ट्विन टावर मार्का चुरा कर ले गए, मामले की जानकारी सेल्समैनों को सुबह करीब पांच बजे उस समय हुई जब वह जागे तो उन्होंने दुकान को पीछे से टूटा पाया व गल्ले में रखे पैसे व माल गायब पाया। मामले की सूचना सेल्समैनों ने दुकान स्वामी विशांत चौधरी को फोन पर दी जिस पर उन्होंने 112 नंबर पर फोन किया जहां पीआरबी की गाड़ी पहुंच गई एवं मामले की जानकारी कर थाना पुलिस को अवगत कराया। थाना प्रभारी निरीक्षक सरिता सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गई एवं सूचना देकर विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को बुला लिया जहां उन्होंने घटना स्थल से फिंगरप्रिंट एवं फोटो लिए। दुकान स्वामी विशांत चौधरी द्वारा दी गई तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी करने पर गोधा थाना प्रभारी निरीक्षक सरिता सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है चोरों की सर गर्मी से तलाश की जा रही है जिसमें अभी कोई सफलता नहीं मिली है।

बेसिक की मासिक समीक्षा बैठक

सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण करना सभी का कर्तव्य : प्राचार्य

भारत संवाद

पीलीभीत। डाइट बीसलपुर मे मासिक समीक्षा (बेसिक शिक्षा) बैठक का आयोजन किया गया, जिसमे स्मार्ट क्लास, गणित ओलंपियाड, मिडडे मील, शिक्षण संदर्शिका, एआरपी चयन, डीपीटी, दिव्यांग शौचालय, आरटीई के तहत प्रवेश इत्यादि पर डायट प्राचार्य, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, एसआरजी, जिला समन्वयक तथा एआरपी द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। वरिष्ठ प्रवक्ता (डाइट) दरवेश कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनपद के कतिपय विद्यालयों में निपुण एसेसमेंट टेस्ट संचालित किया जाएगा। उन्होंने विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए। प्राचार्य महेंद्र कुमार सिंह ने सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण करने पर जोर दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० अमित कुमार सिंह ने समस्त खंड शिक्षा अधिकारी और एआरपी को निर्देश दिए कि नवीन शैक्षणिक सत्र में कोई भी बच्चा जर्जर भवन या जर्जर कक्षा में कदापि न बैठे। इसके अतिरिक्त बीएसए ने अन्य विभिन्न बिंदुओं पर भी दिशा निर्देश दिए। बैठक का संचालन नोडल अमित कुमार शर्मा

ने किया। इस दौरान डायट प्रवक्ता अमित कुमार, पुलकित शर्मा, श्रीमती मेघा अग्रवाल, वीरेंद्र कुमार, स्वदेश कुमार, एसआरजी अमित पाठक, वैभव जैसवार, प्रशांत त्रिवेदी, जिला समन्वयक जितेंद्र कुमार, सौरभ व एआरपी आदि मौजूद रहे।

आपदा से निपटने को लेकर प्रशासन सतर्क

खैर में बाढ़ मॉक ड्रिल का हुआ सफल आयोजन

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): शासन के दिशा-निदेर्शों के क्रम में जिले में बाढ़ जैसी आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए गुरूवार को तहसील खैर के ग्राम महाराजगढ़ में बाढ़ मॉक एक्सरसाइज 2025 का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिलाधिकारी संजीव रंजन के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी वित्त प्रमोद कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस अभ्यास में समस्त संबंधित विभागों की सक्रिय भागीदारी रही। मॉक ड्रिल में राजस्व, स्वास्थ्य, पशुपालन, विद्युत, पूर्ति, अग्निशमन सहित विभिन्न विभागों ने सहभागिता की, जबकि आपदा प्रबंधन में विशेषज्ञता रखने वाली एनडीआरएफ, पीएसी, सिविल डिफेंस, एनसीसी एवं स्काउट-गाइड टीमों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू कार्यों को अंजाम दिया।मॉक अभ्यास की शुरूआत उपजिलाधिकारी सुमित सिंह द्वारा वायरलेस से जिला इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (म्ब्ब्) को यमुना नदी में जलस्तर बढ़ने की सूचना देकर की गई। तत्पश्चात तहसीलदार अवनीश कुमार के निर्देशन में गांव में मुनादी कराकर लोगों को सचेत किया गया और आपदा कंट्रोल रूम के टोल-फ्री नंबर 1077 पर संपर्क करने का आग्रह किया गया।संकट की स्थिति को दशार्ते हुए ग्राम में कुछ लोगों के पेड़ व छत पर फंसे होने एवं दो व्यक्तियों के डूबने की सूचना मिलने पर एनडीआरएफ व पीएसी की टीमें तुरंत सक्रिय हुईं। बचाव कार्य में फंसे लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर राहत शिविरों में पहुंचाया गया, जहां स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर रूप से प्रभावितों को तत्काल एम्बुलेंस से चिकित्सालय भेजा गया, जहां उन्हें ब्ब्द्, रोग प्रतिरोधक दवाएं एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया।

अघोषित विद्युत कटौती की समस्या को लेकर पूर्व विधायक विवेक बंसल ने चीफ इंजीनियर को सौंपा ज्ञापन

डोली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ़। महानगर भीषण गर्मी का सितम झेल रहा है और इस भीषण गर्मी के मौसम में बार बार और घंटों होने वाली विद्युत कटौती के कारण लोगों को पंखे की हवा भी नसीब नहीं हो रही है जबकि इस गंभीर समस्या को लेकर पूर्व विधायक विवेक बंसल के नेतृत्व में कांग्रेसीजनों ने एक ज्ञापन दक्षिणांचल विधुत वितरण निगम के मुख्य अभियंता पंकज अग्रवाल को दिया।इस ज्ञापन के द्वारा मांग की गई कि इस भीषण ग्रीष्म काल में नागरिकों को गर्मी के प्रकोप से बचाने के लिए और व्यवस्था सुचारू किए जाने हेतु जर्जर विद्युत लाइनों,ट्रांसफार्मरों व अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों की समुचित देखभाल व रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।इस अवसर पर विवेक बंसल ने कहा कि प्रदेश सरकार के मुखिया विद्युत आपूर्ति के विषय जितने भी खोखले दावे करें लेकिन वास्तविकता ये है कि सरकार नागरिकों को निर्बाध आपूर्ति देने में पूर्ण रूप से असफल है।इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ठाकुर सोमवीर सिंह,शहर अध्यक्ष नवेद खान,शाहरुख खान,कैलाश बाल्मीकि,युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय यादव,जयवीर सिंह उपाध्याय,अमजद हुसैन,चौधरी वीरेंद्र सिंह,रवि गुंजल,वीनीश कुमार सिंह,आमिर मुन्तजिर,नितेश कुमार, सुमित कुमार कालू,अतर सिंह, मोहम्मद मंसूर,गगन बघेल आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

डा.सतीश गौतम विहिम के सहारनपुर मण्डल प्रभारी मनोनीत

भारत संवाद

सहारनपुर। गौरक्ष पीठाधीश्वर पूज्य महंत योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री उप्र. के संरक्षण में संचालित विश्व हिंदू महासंघ जिसका विस्तार विश्व के कई देशों में है सत्य सनातन धर्म की आस्था को मजबूत करते हुए और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए देश में लोगों के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करने वाला यह संगठन आज विश्व के साथ-साथ पूरे देश में बहुत तेजी से अपना विस्तार कर रहा है। आज देश प्रदेश जिले व कस्बो के साथ गांव-गांव में विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कड़ी मेहनत और लगन के साथ राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए निस्वार्थ भाव से अपना योगदान कर रहे है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 15/2025 दिनांक : 23.06.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते है।

निविदा संख्या : 19256323	मात्रा : 1350 नग
विवरण : विभिन्न प्रकार के इंजीनियरिंग संकेतक बोर्ड	
ई.म.डी. रू0 : 1,18,520	निविदा खुलने की तिथि : 22.07.2025

नोट : 1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1095/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नॉन इण्टरलॉकिंग कार्य के कारण पैसेंजर रेलगाड़ियों का संशोधित निरस्तीकरण तिथि एवं अतिरिक्त शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

रेलगाड़ियों का शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से - तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	रिमार्क
06529	सर एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरु-गोमती नगर	30.06.2025	बनारस-गोमती नगर के मध्य निरस्त रहेगी
06530	गोमती नगर-सर एम. विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरु	04.07.2025	गोमती नगर-बनारस के मध्य निरस्त रहेगी

रेलगाड़ियों का जरवल रोड स्टेशन पर ठहराव स्थगित रहेगा

गाड़ी सं.	स्टेशन से - तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
19037	बान्द्रा (ट.)-बरौनी जं.	28.06.2025 से 02.07.2025
11124	बरौनी जं.-ग्वालियर जं.	29.06.2025 से 03.07.2025
11079	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर जं.	03.07.2025 से 03.07.2025
19038	बरौनी जं.-बान्द्रा (ट.)	30.06.2025 से 04.07.2025
11123	ग्वालियर जं.-बरौनी जं.	30.06.2025 से 04.07.2025

रेलगाड़ियों का करनैलगंज स्टेशन पर ठहराव स्थगित रहेगा

गाड़ी सं.	स्टेशन से - तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
19037	बान्द्रा (ट.)-बरौनी जं.	28.06.2025 से 02.07.2025
11079	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर जं.	03.07.2025 से 03.07.2025
19038	बरौनी जं.-बान्द्रा (ट.)	30.06.2025 से 04.07.2025

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1106/25 (ADM)

विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः

गाड़ी सं. 04151/04152 कानपुर सेंट्रल-लोकमान्य तिलक (ट.) सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

04151 कानपुर सेंट्रल-लोकमान्य तिलक (ट.)		04152 लोकमान्य तिलक (ट.)-कानपुर सेंट्रल		
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
(शुक्र)	13:00	कानपुर सेंट्रल	15:45	(रवि)
14:00	14:02	फतेहपुर	14:15	14:17
14:45	14:47	सिराथू	13:33	13:35
15:03	15:05	भरवारी	13:15	13:17
16:40	16:45	प्रयागराज जं.	12:40	12:45
21:05	21:10	सतना	08:40	08:50
22:20	22:22	कटनी	07:25	07:30
23:30	23:40	जबलपुर	06:15	06:25
03:25(शनि)	03:35	इटारसी	02:55	03:00
08:00	08:05	भुसावल	23:00	23:05
14:55	(शनि)	लोकमान्य तिलक (ट.)	(शनि)	17:15

कानपुर सेंट्रल से- गाड़ी सं. 04151 प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक- 04.07.2025 से 26.12.2025 तक लोकमान्य तिलक (ट.) से- गाड़ी सं. 04152 प्रत्येक शनिवार, दिनांक- 05.07.2025 से 27.12.2025 तक संरचनाः सामान्य श्रेणी-08, स्लीपर श्रेणी-05, वाता. तृतीय श्रेणी-04, वाता. द्वितीय श्रेणी-01

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1114/25 FA

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

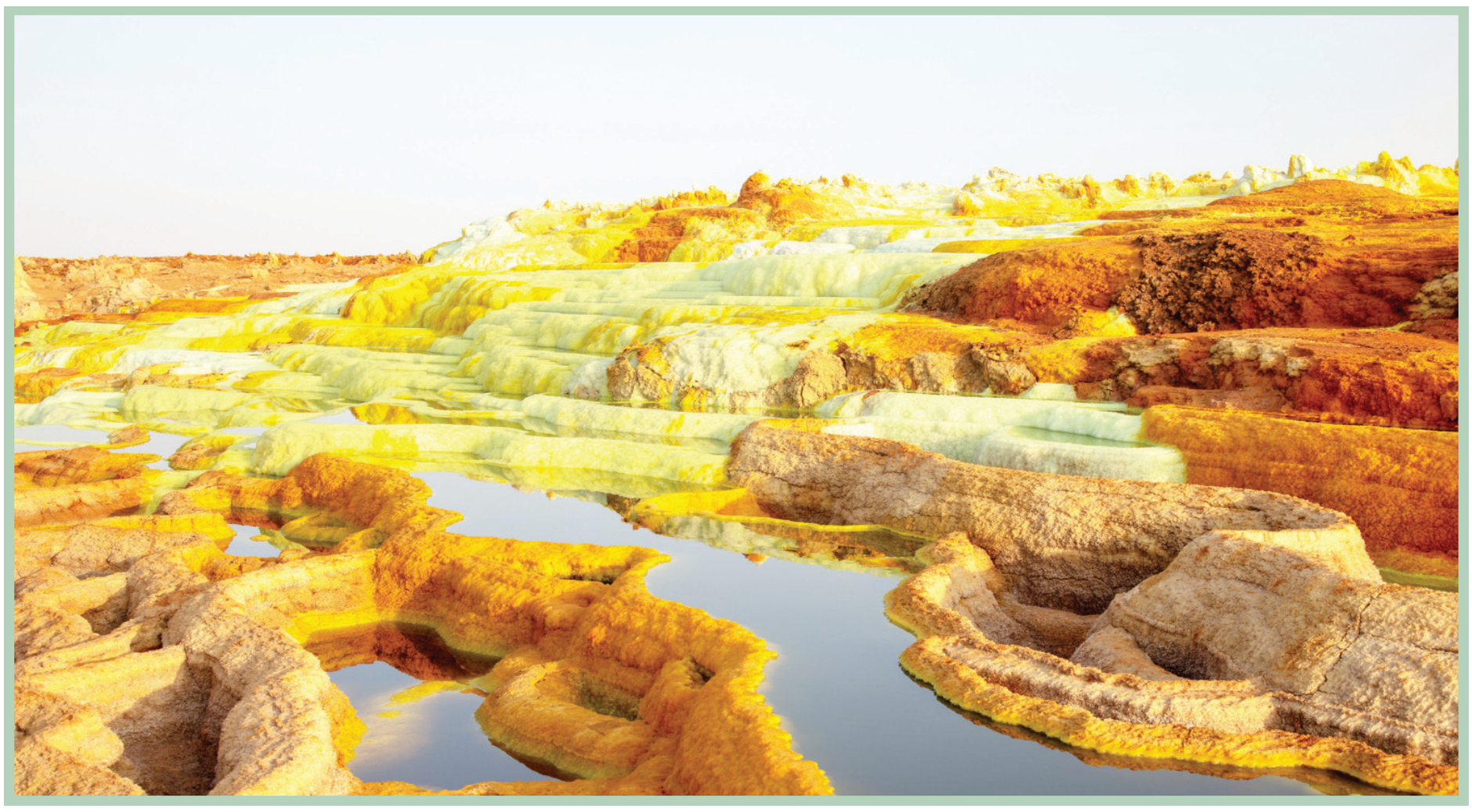

इथियोपिया में जमीन और आसमान से बरसती है आग डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

इस धरती पर सभी जगहें और उनका तापमान एक जैसा नहीं होता है. हर जगह अलग-अलग मौसम और टेंपरेचर देखने को मिलता है. कहीं बहुत ठंड होती है तो कहीं बहुत गर्मी. ऊंचाई, भूमध्य रेखा से दूरी और समुद्री धाराओं के प्रभाव जैसे कई फैक्टर्स के कारण अलग-अलग जगहों पर तापमान अलग-अलग होता है.

पृथ्वी पर सबसे अजीब जगहों और नरक के प्रवेश द्वार और यहां तक कि मौत की भूमि के रूप में जाना जाने वाला दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है. गर्म झरने, एसिड पूल, नमक के पहाड़ और भाप से भरी दरारें इसे एक दूसरे ग्रह जैसा बनाती हैं, और यही कारण है कि वैज्ञानिक सौर मंडल के अन्य ग्रहों के बारे में शोध करने के लिए इस स्थान का उपयोग करते हैं.

डानाकिल डिप्रेशन, जिसे अफार त्रिभुज भी कहा जाता है, इथियोपिया में स्थित एक जियोलॉजिकल डिप्रेशन है जो समुद्र तल से लगभग 125 मीटर नीचे है. यह दुनिया के सबसे गर्म और सबसे निचले स्थानों में से एक है, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो सकता है. यह क्षेत्र तीन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित है, जिसके परिणामस्वरूप ज्वालामुखी गतिविधि और दरार घाटियों का निर्माण होता है.

डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

दानाकिल इथियोपिया के सुदूर नॉर्थ ईस्ट भाग में स्थित जियोलॉजिकल डिप्रेशन अफार ट्रायंगल का एक हिस्सा है, जहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें धीरे-धीरे अलग हो रही हैं. यह क्षेत्र लाल सागर का हिस्सा हुआ करता था. समय बीतने के साथ, ज्वालामुखी विस्फोट के कारण समुद्र भाप में बदल गया और उस स्थान से गायब हो गया.

आज से लगभग 50,000 साल पहले, इथियोपिया लाल सागर और अरब सागर से जुड़ा हुआ था, जिससे विशाल एडियन सागर बना था. लेकिन, जलवायु परिवर्तन और भू-आकृति में बदलाव के कारण, एडियन सागर धीरे-धीरे सिकुड़ गया और अंतत : गायब हो गया, जिससे इथियोपिया लैंडलॉक बन गया.

कैसा है यहां का क्लाइमेट

यहां का तापमान बहुत ज्यादा होता है और बारिश बहुत कम होती है. यहां पीले, नारंगी, लाल, नीले और हरे रंग की झीलें देखने को मिलती हैं. इन झीलों में रंग मैग्मा में मौजूद खनिजों और नमक के बीच प्रतिक्रिया से उत्पन्न होते हैं. यानी जब नमक मैग्मा में मौजूद खनिजों के साथ प्रतिक्रिया करता है, तो यह इन खूबसूरत रंगों को जन्म देता है. जैसे ही गर्मी पानी को वाष्पित करती है, जमीन पर रंगीन पपड़ी जैसी परतें विकसित होती हैं, जो रहस्यमय तरीके से डिप्रेशन में ठंडी फिरोजा झीलों के साथ मिल जाती हैं. वहीं, दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया में स्थित एक जगह है जहां सल्फ्यूरिक एसिड से भरी झीलें हैं, जिन्हें एसिड लेक या सल्फ्यूरिक पूल के रूप में जाना जाता है. ये झीलें पृथ्वी पर सबसे गर्म और नमकीन झीलों में से हैं.

अगर आप डानाकिल डिप्रेशन की यात्रा की योजना बना रहे हैं इसे ध्यान में रखें

डानाकिल बहुत गर्म और एसिडिक जगह है, इसलिए अगर आपको वहां कोई गीला तालाब या बुदबुदाता पूल दिखे तो उसमें अपनी उंगली न डुबोएं. इसके साथ ही उस क्षेत्र में चलने के लिए उपयुक्त जूते पहनें, भू-आकृति क्षेत्रों पर सावधानी से चलें, सही रास्ते और कहां कदम रखना है इसका ध्यान रखें, उस जगह पर घूमने के लिए स्थानीय गाइड की मदद लें इस क्षेत्र में घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च के बीच है. हालांकि, तब भी तापमान बहुत अधिक और असहनीय होता है. दानाकिल डिप्रेशन के लिए दिन की यात्राएं आमतौर पर विक्रो शहर से सुबह 4 :00 बजे के आसपास शुरू होती हैं. इस जगह पर जाने के लिए हेलीकॉप्टर की सवारी भी उपलब्ध है.

शादीशुदा महिलाओं को क्यों पहनने चाहिए

चांदी के आभूषण

हिंदू धर्म में आभूषणों को बहुत महत्व दिया जाता है. हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं के लिए सोलह श्रृंगार करना विशेष महत्व रखता है.इन्हीं में से एक है चांदी की पायल, जो आपने ज्यादातर भारतीय महिलाओं के पैरों में देखी होगी. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शादी के बाद महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं? शास्त्रों में इन्हें पहनने के पीछे विशेष महत्व और लाभ बताए गए हैं, जो हर कोई नहीं जानता. ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं और शास्त्रों में इसके क्या लाभ बताए गए हैं...

शास्त्रों में चांदी को धन, समृद्धि और चंद्रमा का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में इस धातु को पहनने से हमारे जीवन और घर में इन सभी चीजों पर भी असर पड़ता है. मान्यता है कि विवाहित महिलाओं के लिए घुंघरू वाली चांदी की पायल पहनना बहुत शुभ होता है. इससे घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और ससुराल वालों को कभी पैसों की कमी नहीं होती. साथ ही चांदी को शीतलता, शांति और पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है. ऐसे में चांदी की पायल पहनने से शीतलता मिलती है और मन शांत और पवित्र रहता है.

यही कारण है कि वह महिलाएं चांदी की पायल पहनती हैं

ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो बहुत ही मधुर ध्वनि सुनाई देती है. इससे उनके आसपास की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और उसकी जगह घर में सकारात्मकता बनी रहती है. साथ ही पायल की आवाज से परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है. ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनती हैं तो घर में हमेशा खुशियों का माहौल बना रहता है.

इसे विवाहित महिलाओं के सोलह श्रृंगार में से एक माना जाता है और इसे सौभाग्य की निशानी भी माना जाता है. जब महिलाएं चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो इसकी आवाज से आसपास का माहौल खुशनुमा हो जाता है और शरीर से नकारात्मकता भी दूर रहती है. ऐसा माना जाता है कि चांदी की पायल में लगी घुंघरू मन को एकाग्र रखने में मदद करती हैं और घर में सौभाग्य भी लाती हैं. इसी वजह से विवाहित महिलाओं के लिए चांदी की घुंघरू पहनना बहुत फलदायी माना जाता है.

फटी एड़ियों को सॉफ्ट और स्मूद बनाने के आसान घरेलू उपाय

पैरों की देखभाल के लिए हम अक्सर पेडीक्योर करवाते हैं, लेकिन फिर भी बहुत बार पैरों की एड़ियां फट जाती हैं और उनकी त्वचा कठोर हो जाती है। यही नहीं, सर्दी या गर्मी में त्वचा और भी ज्यादा रूखी और ड्राई हो जाती है। इसके बावजूद, सही देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सॉफ्ट और मुलायम बना सकती हैं। इसके लिए आपको किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप फटी एड़ियों को फिर से सॉफ्ट और चिकना बना सकती हैं।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए जरूरी सामग्री

वैसलीन – 1 बड़ा चम्मच

नारियल तेल – ड्ड छोटा चम्मच

विटामिन श्व कैप्सूल – 2

पिघला हुआ मोम – थोड़ी सी मात्रा

इन सभी चीजों को एक बाउल में सही अनुपात में डालकर अच्छे से मिला लें। आप चाहें तो इन सामग्रियों को माइक्रोवेव में हल्का गर्म कर सकती हैं या फिर डबल बॉयलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि मिश्रण हल्का गुनगुना ही रहे, न बहुत गरम हो।

मुलायम और सॉफ्ट एड़ियां बनाने के लिए तरीका

मिश्रण तैयार करने के बाद, इसे अपनी फटी एड़ियों पर अच्छे से लगाएं। इस मिश्रण को कम से कम 20 मिनट तक एड़ियों पर लगा रहने दें ताकि यह त्वचा में अच्छे से समा जाए। 20 मिनट के बाद इसे हल्के हाथों से साफ कर लें।

इस ट्रीटमेंट से मिलने वाले फायदे

यह आपकी एड़ियों को मुलायम, चिकना और शाइनी बनाएगा। स्किन की ड्राईनेस को कम करेगा और त्वचा को नमी देगा। नियमित रूप से इस ट्रीटमेंट के इस्तेमाल से आपके पैरों की त्वचा स्वस्थ और कोमल बनेगी। यह घरेलू उपाय न केवल आपकी एड़ियों को ठीक करता है, बल्कि इससे आपके पैरों की त्वचा को भी कई फायदे होते हैं। तो अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो यह आसान और सस्ते उपाय जरूर आजमाएं और अपने पैरों को दें एक नई जान। अगर आपको यह आर्टिकल पसंद आया हो, तो इसे अपने दोस्तों के साथ जरूर शेयर करें और नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में अपनी राय हमें जरूर बताएं!

रिमझिम बारिश में एक्सप्लोर करें महाराष्ट्र का संगमेश्वर

वीकेंड में बनाएं घूमने का प्लान

महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

महाराष्ट्र हमारे देश का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। महाराष्ट्र एक ओर से अरब सागर और दूसरी ओर से सतपुड़ा पर्वतमाला से घिरा हुआ है। यह एक ऐसा राज्य है, जो रिमझिम बारिश में पर्यटन हब का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। वहीं हल्की रिमझिम बारिश में संगमेश्वर की खूबसूरती किसी हसीन खजाने से कम नहीं लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको संगमेश्वर की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में संगमेश्वर

संगमेश्वर की खासियत और खूबसूरती बेहद कमाल की है। यह रत्नागिरी में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक जगह है। संगमेश्वर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 284 किमी, पुणे से 247 किमी और कोल्हापुर से करीब 120 किमी दूर है।

क्यों फेमस है संगमेश्वर

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में स्थित संगमेश्वर भले ही एक छोटा सा शहर है, लेकिन यह जगह अपने धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए पूरे राज्य में फेमस है। खासकर यह जगह संगमेश्वर मंदिर और संगमेश्वर शहर के लिए फेमस है। जोकि भगवान शिव को समर्पित है।

संगमेश्वर महाराष्ट्र का एक ऐसा शहर है, जो शास्त्री नदी और सोनावी नदी के संगम पर स्थित है। इसके चलते यहां पर रिमझिम बारिश में राज्य के हर कोने से लोग घूमने के लिए आते हैं। इस स्थान को रत्नागिरी का छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है। वहीं गमेश्वर वहीं स्थान है, जहां पर औरगंजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज को बंदी बनाया था।

पर्यटकों के लिए क्यों खास है ये जगह

संगमेश्वर का इतिहास प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। रिमझिम बारिश में स्थित वॉटरफॉल से लेकर घास के मैदान और नदियों की खूबसूरती इस जगह को बेहद खूबसूरत बनाने का काम करती है। संगमेश्वर की हरियाली देखते ही बनती है।

संगमेश्वर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। शहर की भाग-दौड़ भरी जिंदगी से दूर संगमेश्वर में आप सुकून के कई पल बिताने के लिए पहुंचते हैं। संगमेश्वर अपनी खूबसूरती के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। कई लोग मानसून में यहां पर सिर्फ ट्रेकिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

संगमेश्वर मंदिर

संगमेश्वर के सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में संगमेश्वर मंदिर काफी फेमस है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित होने के कारण पर्यटक यहां घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मंदिर के आसपास से बेहद

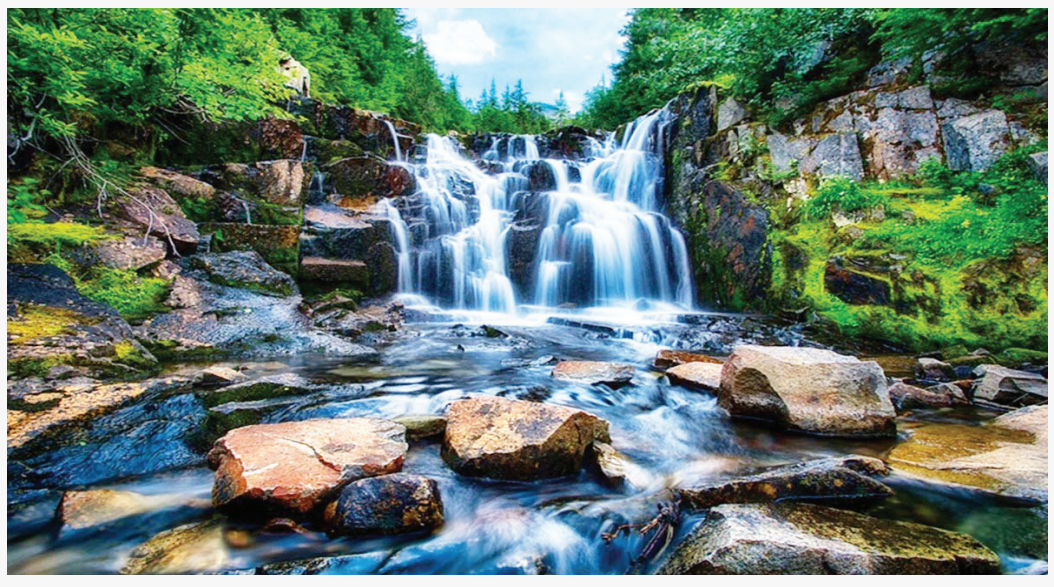

खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। कर्णेश्वर मंदिर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं और यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है।

मार्लेश्वर वॉटरफॉल

संगमेश्वर के पहाड़ों में स्थित मार्लेश्वर एक फेमस और खूबसूरत वॉटरफॉल है। मानसून में यहां सिर्फ स्थानीय पर्यटक नहीं बल्कि अन्य कई शहरों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह वॉटरफॉल प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां के आसपास की हरियाली पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। इसके साथ ही आप छत्रपति संभाजी महाराज की समाधि को एक्सप्लोर करना न भूलें।

युद्धविराम के बाद पहली बार बोले खामेनेई, 'ईरान ने अमेरिका के मुँह पर तमाचा मारा

ट्रंप नहीं सुधरे तो बड़ी कीमत चुकाएंगे'

एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने युद्धविराम के बाद अपने पहले संबोधन में कहा है कि उनके देश ने ह्यअमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा है'। खामेनेई ने साथ ही कहा कि यदि अमेरिका भविष्य में कोई हमला करता है तो ईरान मध्य पूर्व में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके जवाब देगा। 86 वर्षीय खामेनेई ने कहा कि ईरान पर किया गया कोई भी हमला बहुत भारी कीमत लेकर आएगा। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान ने क्षेत्र में अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य अड्डे (कतर में स्थित) पर हमला किया था, जब वॉशिंगटन ने इजराइली हमलों में भाग लिया था। ईरान और इजराइल के बीच युद्धविराम के बाद टेलीविजन पर देश को पहली बार संबोधित करते हुए खामेनेई ने कहा कि इस्लामी गणराज्य ने अमेरिका को तमाचा मारा। हमने क्षेत्र में अमेरिका के एक महत्वपूर्ण ठिकाने पर हमला किया।" बताया जा रहा है कि खामेनेई का रिकॉर्डेड बयान सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित किया गया। पिछली बार की तरह वह इस बार भी एक अज्ञात स्थान से बोल रहे थे, जहां उनके पीछे एक भूरे रंग का पर्दा, एक ईरानी झंडा और उनके पूर्ववर्ती रूहोल्लाह खोमैनी की तस्वीर थी। उन्होंने आगे कहा, यह कोई छोटी घटना नहीं है कि इस्लामी गणराज्य की क्षेत्र में अमेरिका के महत्वपूर्ण केंद्रों तक पहुंच है और वह जब चाहे उन पर कार्रवाई कर सकता है। यह एक बड़ी घटना है और यदि भविष्य में हमला हुआ, तो यह घटना फिर से हो सकती है। हम आपको यह

भी बता दें कि खामेनेई का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि ईरान फिर से अपने परमाणु संवर्धन कार्यक्रम को शुरू करता है तो अमेरिका फिर से हमला करेगा। इस बीच, ईरानी अधिकारियों ने देशभर में आंतरिक सुरक्षा पर कड़ा

> बताया जा रहा है कि खामेनेई का रिकॉर्डेड बयान सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित किया गया। पिछली बार की तरह वह इस बार भी एक अज्ञात स्थान से बोल रहे थे, जहां उनके पीछे एक भूरे रंग का पर्दा, एक ईरानी झंडा और उनके पूर्ववर्ती रूहोल्लाह खोमैनी की तस्वीर थी।

नियंत्रण करना शुरू कर दिया है, जिसमें बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियाँ, फांसी की सजाएँ और सैन्य तैनाती शामिल हैं। यह सब खासतौर पर अशांत कुर्द क्षेत्र में चल रहा है। बताया जा रहा है कि ईरानी सुरक्षा बलों ने व्यापक गिरफ्तारियों का अभियान शुरू कर दिया है। सड़कों पर सुरक्षा बलों की ज्यादा उपस्थिति नजर आ रही है और जगह-जगह चेकप्वाइंट्स बनाए गए हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड और बसीज अर्धसैनिक बलों को अलर्ट पर रखा गया है और आंतरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। मीडिया रिपोर्टों में ईरानी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि अधिकारी इजराइली एजेंटों, जातीय अलगाववादियों और निर्वासित विपक्षी संगठन पीपुल्स मुजाहिदीन ऑर्गनाइजेशन से खतरे को लेकर चिंतित हैं, जिसने पहले भी ईरान के भीतर हमले किए हैं। इस बीच, ईरानी मानवाधिकार समूह ल्फठअ ने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 700 से ज्यादा लोगों को राजनीतिक या सुरक्षा आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। इनमें से कई लोगों पर इजराइल के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया है। ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि तुर्की सीमा के पास उर्मिया में तीन लोगों को जासूसी के आरोप में फांसी दी गई। एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तानी, इराकी और अजरबैजानी सीमाओं पर ज्यादा सैनिकों को तैनात किया गया है

मेक्सिको में त्योहार के दौरान गोलीबारी, 12 लोगों की मौत

20 घायल, कई की हालत गंभीर; मरने वालों में 8 पुरुष और 2 महिलाएं

एजेंसी

मेक्सिको सिटी, मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के इरापुआतो शहर में मंगलवार रात भीषण गोलीबारी हुई। इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोग घायल हुए हैं। उस वक्त लोग इरापुआतो में सेंट जॉन द बैप्टिस्ट त्योहार के मौके पर सड़क पर नाच-गाना और जश्न मना रहे थे। यह जानकारी स्थानीय प्रशासन ने बुधवार को दी। मरने वालों में से 11 की पहचान हो चुकी है। इनमें 8 पुरुष, 2 महिलाएं और एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। सोशल मीडिया

पर हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें लोगों के जश्न मनाने के दौरान गोलीबारी की आवाज सुनी गई। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने हमले पर दुख जताया और कहा कि इसकी जांच की जा रही है। इरापुआतो के अधिकारी रोडोल्फो गोमेज सेरवांतेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मेक्सिको मरने वालों की संख्या 12 हो चुकी है और कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इरापुआतो की स्थानीय सरकार ने इस हमले को कायरतापूर्ण बताया और कहा कि सुरक्षा बल जिम्मेदार लोगों की तलाश कर रहे हैं। बुधवार की सुबह घटनास्थल पर खून के धब्बे और गोलियों के निशान अभी भी दिखाई दे रहे थे। राजधानी मेक्सिको सिटी के उत्तर-पश्चिम में स्थित गुआनाजुआतो राज्य देश के सबसे हिंसाग्रस्त इलाकों में से एक बन चुका है।

यहां अलग-अलग संगठित अपराध करने वाले गिरोह कंट्रोल के लिए एक-दूसरे से लड़ते रहते हैं। सिर्फ इस साल के पहले पांच महीनों में ही यहां 1,435 हत्याएं दर्ज की गई हैं। यह आंकड़ा किसी भी अन्य राज्य की तुलना में दोगुने से ज्यादा हैं। पिछले महीने भी इसी राज्य के सैन बातोलो दे बेरियोस में कैथोलिक चर्च द्वारा आयोजित एक पार्टी में गोलीबारी हुई थी, जिसमें 7 लोगों की जान गई थी।

आर्मेनिया के पीएम पर खतना कराकर यहूदी बनने का आरोप

पीएम पाशिनयान बोले– ईसाई हूं, चर्च को इसका सबूत दिखाने के लिए तैयार

एजेंसी

येरेवन, अर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान पर आरोप लग रहा है कि वे ईसाई नहीं हैं। उन पर देश के सबसे बड़े चर्च के एक पादरी फादर जारेह अशुरयान ने यह आरोप लगाया है। पादरी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पीएम ने खतना कर लिया है और अब वे यहूदी बन चुके हैं। अपोस्टोलिक चर्च के फादर अशुरयान ने पीएम पाशिनयान की तुलना बाइबिल के गद्दार पात्र जूडस से की और उन्हें गद्दार भी कहा। फादर जारेह अशुरयान आर्मेनिया के सबसे बड़े चर्च के मुख्य पादरी गरेगिन -2 के प्रवक्ता हैं। इसके जवाब में पीएम पाशिनयान ने फेसबुक पर तीखा पोस्ट किया और गरेगिन-2 के असली नाम कट्रिच नर्सिसियन से संबोधित करते हुए कहा- मैं यह साबित करने के लिए तैयार हूं कि मैंने खतना नहीं कराया है। अगर चर्च को शक है तो मैं खुद को जांच करने के लिए पेश करने को तैयार हूं। यह पहली बार नहीं है जब प्रधानमंत्री ने चर्च प्रमुख पर इतने गंभीर आरोप लगाए हों। पीएम पाशिनयान ने पिछले महीने चर्चों को भ्रष्टाचार का घर बताया था। इससे पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि करेकिन-2 ने पादरी बनने के बाद भी एक बच्चा पैदा किया, और इसलिए चर्च के संविधान के अनुसार उन्हें अपने पद पर नहीं रहना चाहिए। पीएम ने यहां

तक कहा कि अगर करेकिन इन आरोपों से इनकार करते हैं, तो वे उनके खिलाफ सबूत पेश करने को तैयार हैं। इसके बाद सरकारी मीडिया में एक महिला की तस्वीर और नाम दिखाया गया, जिसे करेकिन-2 की कथित बेटी बताया गया। सरकार से जुड़े एक संगठन ने मंगलवार को एक दस्तावेज प्रकाशित किया था। इसमें कहा गया था कि चर्च और कुछ प्रभावशाली नेता साथ मिलकर सरकार के खिलाफ तख्तापलट की योजना बना रहे हैं। अर्मेनिया के पहले राष्ट्रपति लेवोन टेर-पेट्रोसियन खुलकर चर्च का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने सरकार पर संविधान को तोड़ने का आरोप लगाया है। इससे पहले 17 जून को सैमवेल करापेटियन नाम के बिजनेस मैन को भी गिरफ्तार किया गया था। करापेटियन चर्च के खुले समर्थक हैं। उन्हें रूसी राष्ट्रपति पुतिन का करीबी माना जाता है। करापेटियन पर सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने के आरोप लगाए गए हैं। पीएम पाशिनयान पर भी एक अखबार ने अपनी प्रवक्ता के साथ विवाहेतर संबंध होने के आरोपों पर सफाई मांगी है।

इस पर प्रधानमंत्री ने गुस्से में उस मीडिया पर मुकदमा करने की घोषणा की और कहा कि उनके लिए परिवार और आध्यात्मिक जीवन सिर्फ दिखावा नहीं, बल्कि असली मूल्य हैं। प्रधानमंत्री पाशिनयान ने मई में कहा था कि वह एक ऐसी परिषद बनाएंगे जो अर्मेनियाई अपोस्टोलिक चर्च के नए कैथोलिकोस (धार्मिक प्रमुख) का चुनाव करेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट में बताया कि वे इस परिषद के पहले 10 सदस्यों को खुद चुनेंगे। उन्होंने लोगों से ईमेल के जरिए आवेदन भी मंगवाए।

उन्होंने परिषद के सदस्यों के लिए पांच शर्तें भी रखीं हैं। 1. यीशु मसीह में विश्वास, 2. बाइबल पढ़ना, 3. प्रार्थना करना, 4. लेंट (40 दिन की धार्मिक साधना) का पालन करना और 5. यह मानना कि चर्च का सुधार लोगों और देश के हित में है।

राम मंदिर का विरोध, भारत के खिलाफ जहर...

अमेरिका में ट्रंप पर भारी पड़ने वाला ये भारतीय विवादों का है किंग

एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी में 33 वर्षीय जोहरान ममदानी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है। पहली बार दक्षिण एशियाई, भारतवंशी और मुस्लिम मूल के ममदानी ने पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्यूमो को हराया है। लेकिन क्यूमो ने अपनी हार स्वीकार कर ली। यानी अब ममदानी डेमोक्रेट पार्टी के न्यूयॉर्क मेयर के आधिकारिक उम्मीदवार होंगे। ममदानी के इलेक्शन कैंपेन में बॉलीवुड से लेकर इजरायल

तक का जिक्र है। कहीं खूब वाहवाही मिली तो कहीं आलोचना। न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के लिए जोहरान ममदानी की संभावित उम्मीदवारी ने सोशल मीडिया पर चचाओं को जन्म दिया है। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने ममदानी के रुख पर टिप्पणी की है, उनकी हिंदू विरासत पर सवाल उठाया है जबकि उनकी मां, फिल्म निमार्ता मीरा नायर की प्रशंसा की है। 33 वर्षीय डेमोक्रेट ममदानी दौड़ में आगे चल रहे हैं, लेकिन कथित भारत विरोधी और हिंदू विरोधी विचारों के लिए आलोचना का सामना कर रहे हैं। विवादास्पद रैलियों में उनकी भागीदारी और मोदी सरकार की आलोचना ने भी ध्यान आकर्षित किया है। डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट ममदानी न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम और एक सदी में सबसे युवा मेयर बनने की राह पर हैं। अपनी जीत के बाद ममदानी ने कहा कि मैं डोनाल्ड ट्रम्प का सबसे बुरा सपना बनूंगा। हम न्यूयॉर्क को हर न्यूयॉर्कर के लिए अफॉर्डेबल और सुरक्षित बनाएंगे। ममदानी ने न्यूयॉर्क की जनता के बीच तेजी से जगह बना ली है। वो भी इतनी की एक्सपर्ट्स न्यूयॉर्क के मुख्य चुनाव में भी उन्हीं की जीत की संभावना जता रहे हैं। कंगना रनौत ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि उनकी मां मीरा नायर हैं, जो हमारी बेस्ट फिल्म मेकर्स में से एक हैं। पद्मश्री हैं, एक प्यारी और प्रतिष्ठित बेटी हैं, जो महान भारत में पैदा हुईं, पली-बढ़ीं और अब न्यूयॉर्क में रहती हैं।

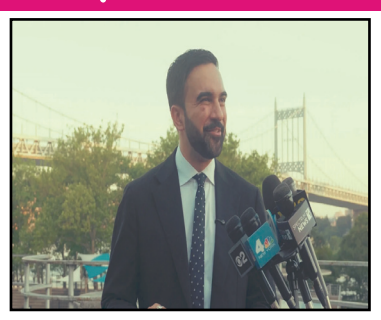

संसद नहीं, संविधान सबसे ऊपर :सीजेआई

लोकतंत्र के तीनों हिस्से इसके अधीन; संसद के पास संशोधन की शक्ति, लेकिन मूल ढांचा नहीं बदल सकती

एजेंसी

अमरावती , भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने बुधवार को कहा कि भारत का संविधान सबसे ऊपर है। हमारे लोकतंत्र के तीनों अंग (न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका) संविधान के अधीन काम करते हैं। सीजेआई गवई ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरी राय में संविधान सर्वोपरि है। सुप्रीम कोर्ट के 52वें उखक के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस गवई होमटाउन अमरावती में अपने अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। सीजेआई गवई ने कहा कि संसद के पास संशोधन करने की शक्ति है, लेकिन वह संविधान के मूल ढांचे को बदल नहीं सकती।लोग क्या कहेंगे, हमारे फैसलों पर इसका असर नहीं होना चाहिए- गवई

सीजेआई गवई ने कहा कि एक जज को हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारा एक कर्तव्य है और हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास केवल शक्ति नहीं है, बल्कि हम पर एक कर्तव्य भी डाला गया है। किसी जज को इस बात को लेकर नहीं चलना चाहिए कि लोग उनके फैसलों के बारे में क्या कहेंगे या क्या महसूस करेंगे।

> **अपनी बात को पुष्ट करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि संसद के पास केवल संशोधन करने का अधिकार है, लेकिन वह संविधान के मूल ढांचे में बदलाव नहीं कर सकती। 'मूल ढांचे' का सिद्धांत सर्वोच्च न्यायालय के 1973 के ऐतिहासिक फैसले से विकसित हुआ है, जो केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में दिया गया था।**

बुलडोजर जस्टिस के खिलाफ दिए फैसले का जिक्र सीजेआई ने कहा, मैंने हमेशा अपने निर्णयों और काम को बोलने दिया और हमेशा संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के साथ खड़ा रहा। बुलडोजर न्याय के खिलाफ अपने फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आश्रय का अधिकार सर्वोच्च है। केवल सरकार के खिलाफ आदेश पारित करना ही स्वतंत्रता नहीं है। हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास केवल शक्ति नहीं है, बल्कि हम पर एक कर्तव्य भी डाला गया है। न्यायमूर्ति गवई ने यह भी कहा कि न्यायाधीश को इस बात से निर्देशित नहीं होना चाहिए कि लोग उनके फैसले के बारे में क्या कहेंगे या क्या महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें स्वतंत्र रूप से सोचना होगा। लोग क्या कहेंगे, यह हमारी निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन सकता।

चुनाव आयोग वोटर्स लिस्ट की डिजिटल कॉपी दें :कांग्रेस

महाराष्ट्र चुनाव में फिक्सिंग के आरोप पर चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को चर्चा के लिए बुलाया था

> **राहुल ने लिखा- आरोप छिपाना ही कबूलनामा**
>
> राहुल गांधी ने पर लिखा था- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री (देवेंद्र फडणवीस) के निर्वाचन क्षेत्र की वोटर लिस्ट में 5 महीनों में 8% वोटर बढ़ गए थे। कुछ बूथों पर 20 से 50% तक वोटर बढ़े। बीएलओ ने अज्ञात लोगों के वोट डालने की खबर दी। मीडिया ने बिना वेरिफिकेशन पते वाले हजारों मतदाताओं का पता लगाया। इस पर चुनाव आयोग चुप है। क्या ये मिलीभगत है। ये अलग-अलग गड़बड़ियां नहीं हैं। यह वोटों की चोरी है। इसे छिपाना ही कबूलनामा है। इसलिए हम मशीन रीडेबल डिजिटल वोटर लिस्ट और उउळश फुटेज को तुरंत जारी करने की मांग करते हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली ,महाराष्ट्र चुनाव 2024 में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन को लेटर लिखा है। पार्टी ने आयोग से एक हफ्ते में महाराष्ट्र चुनाव की डिजिटल वोटर्स लिस्ट मांगी है। साथ ही महाराष्ट्र और हरियाणा के वोटिंग डे की वीडियो फुटेज देने को कहा है।पार्टी ने कहा कि यह पुरानी मांग है और आयोग इसे आसानी से दे सकता है। डेटा मिलने पर वे अपना एनालिसिस करेंगे और चुनाव आयोग से चर्चा करेंगे।दरअसल, 12 जून को इलेक्शन कमीशन ने राहुल को लेटर लिखा था।इसमें राहुल को विधानसभा चुनाव में धांधली के उनके आरोपों पर चर्चा के लिए बुलाया गया था।इसी के जवाब में कांग्रेस ने आयोग को लेटर लिखा है।चुनाव आयोग ने कहा था- देश में चुनाव पारदर्शी होते एउ ने 12 जून को राहुल को भेजे लेटर में लिखा था कि भारत की संसद के पारित इलेक्टोरल लॉ, उसके नियमों और समय-समय पर चुनाव आयोग के निर्देशों के जरिए बहुत सख्ती से देश में चुनाव आयोजित कराए जाते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर सेंट्रलाइज्ड आयोजित की जाती है।

इसमें चुनाव आयोग के नियुक्त 1,00,186 से ज्यादा , 288 इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, 139 जनरल ऑब्जर्वर, 41 पुलिस ऑब्जर्वर, 71 खर्च ऑब्जर्वर और 288 रिटर्निंग अधिकारी और महाराष्ट्र में राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों के नियुक्त 1 लाख 8 हजार 26 बूथ स्तरीय एजेंट शामिल हैं। इनमें कांग्रेस के 28,421 एजेंट शामिल हैं।

महाराष्ट्र सीएम बोले- झूठ बोले कौवा काटे

महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राहुल के दावे पर कहा- ये कांग्रेस की हार से उपजा एक हताशा भरा दावा है। झूठ बोले कौवा काटे, काले कौवे से डरियो। यह साफ है कि महाराष्ट्र में आपकी पार्टी की अपमानजनक हार का दंश दिन-प्रतिदिन गहराता जा रहा है।

शाह-शेखावत-प्रधान ने हमारी पार्टी में पैसे बांटे थे :गहलोत

मेरे पास इसके सबूत हैं, मेरी सरकार गिराने की साजिश रची थी

एजेंसी

जोधपुर , पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- नरेंद्र मोदी सरकार में अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत ने मिलकर राजस्थान सरकार को गिराने का षड्यंत्र किया था, जिसे विफल कर दिया गया। हिंदुस्तान में एकमात्र हमारी सरकार थी, जिसे नहीं गिरा पाए। गहलोत ने गुरुवार को जोधपुर में मीडिया से ये बात कही।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने बताया

मध्यप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र में सरकारें बदल दीं, लेकिन राजस्थान में नाकाम रहे। इन लोगों ने हमारी पार्टी के अंदर पैसे बांटे। इसके प्रूफ मेरे पास हैं। जिस प्रकार के हालात उन्होंने बनाए, क्या वह संविधान के अनुरूप है? आज यही लोग संविधान दिवस मना रहे हैं।हॉर्स ट्रेडिंग का जिक्र करते हुए

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्यप्रदेश में विधायकों को खरीदने के लिए कितना पैसा बांटा होगा, आप कल्पना नहीं कर सकते। कोई 25 करोड़ कह रहा है, कोई 35 करोड़ और कोई 50 करोड़ की बात कर रहा है। महाराष्ट्र के मामले में तो कोई सोच भी नहीं सकता। देश कहां जा रहा है? ऐसे लोकतंत्र कैसे बचेगा ?सरकारें गिरा रहे हैं, डेमोक्रेसी कैसे बचेगीगहलोत ने कहा हर नागरिक का कर्तव्य है, हमारे बोलने से काम नहीं चलेगा। खाली हिंदू-हिंदू की बात करके राजनीति करोगे तो देश बर्बाद हो जाएगा।

'तस्करों की हवेलियां ढहाई जा रही हैं' :सीएम मान

मजीठिया की गिरफ्तारी पर बोले सीएम मान, कहा-किसी को बख्शा नहीं जाएगा

> **पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार ड्रग के धंधे में शामिल किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगी .उन्होंने कहा कि गांव अब प्रस्ताव पारित कर रहे हैं कि वे किसी को भी नशा बेचने की इजाजत नहीं देंगे. उन्होंने कहा कि लोग इस अभियान की सराहना कर रहे हैं.**

एजेंसी

चंडीगढ़ः शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति मामले में मोहाली कोर्ट में पेश किए जाने के बाद गुरुवार को सात दिन की रिमांड पर भेज दिया गया. सूत्रों के अनुसार विजिलेंस ने 12 दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने उन्हें सात दिन की रिमांड दी.मामले की अगली सुनवाई 2 जुलाई को होगी.इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार ड्रग के धंधे में शामिल किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगी, चाहे वह राजनीतिक रूप से कितना भी ताकतवर या प्रभावशाली व्यक्ति क्यों न हो. मान का

यह बयान पंजाब विजिलेंस ब्यूरो द्वारा इस मामले में मजीठिया को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद आया है.

'ड्रग मनी'को सफेद करने का आरोप

ब्यूरो ने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री 540 करोड़ रुपये से अधिक के 'ड्रग मनी'को सफेद करने में शामिल हैं. मजीठिया का नाम लिए बिना मान ने कहा कि वह ड्रग्स के मामले में कोई रहम नहीं दिखाएंगे और इस बुराई के खिलाफ उनकी सरकार का अभियान जारी रहेगा.

विजिलेंस के एक्शन की निंदा करने वालों पर साधा निशाना

मान ने मजीठिया के खिलाफ विजिलेंस के एक्शन की निंदा करने के लिए विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा. यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में नशा विरोधी अभियान चला रही है और यह अब एक जन आंदोलन बन गया है. उन्होंने कहा कि गांव अब प्रस्ताव पारित कर रहे हैं कि वे किसी को भी नशा बेचने की इजाजत नहीं देंगे. उन्होंने कहा कि लोग इस अभियान की सराहना कर रहे हैं.

'तस्करों की हवेलियां ढहाई जा रही हैं'

मान ने कहा कि नशा तस्करों और तस्करों की हवेलियां ढहाई जा रही हैं. मुख्यमंत्री ने लोगों को याद दिलाया कि वह कहते रहे हैं